सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 233 | जौनपुर, सोमवार, 20 मई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

पांचवें चरण के लिए आज 14 सीटों पर मतदान

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में पांचवें चरण के तहत 14 लोकसभा सीटों पर चुनाव के लिए आज मतदान होगा। भीषण गर्मी को देखते हुए प्रत्येक मतदान कर्मी को विशेष मेडिकल किट देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मतदान स्थलों में भी गर्मी से बचाव के सभी इंतजाम की जिम्मेदारी जिला निर्वाचन अधिकारियों को दी गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण की 14 लोकसभा सीटों और लखनऊ पूर्व विधानसभा उप चुनाव के लिए रविवार को मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथों) के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना हो गई थी। इसके लिए पाँचवे चरण के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को समय से पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के निर्देश दिये गये थें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पांचवे चरण में प्रदेश की 14 लोकसभा सीटों में मोहनलालगंज (अजा), लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, जालौन (अजा), झांसी, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, कौशाम्बी (अजा), बाराबंकी (अजा), फैजाबाद, कैसरगंज, गोण्डा सोमवार को मतदान होगा। उन्होंने बताया कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदान केन्द्रों और मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) पर मतदाताओं व मतदान कर्मियों के लिए जरूरी सुविधाएं मुहैय्या कराने के निर्देश दिए गए हैं। ये चरण काफी अहम है क्योंकि इसमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, राहुल गांधी और स्मृति ईरानी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। 20 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के साथ लखनऊ पूर्व विधानसभा उप चुनाव के लिए भी चार प्रत्याशी मैदान में हैं।

मोदी के शासन के तहत सैनिक, सीमाएं सुरक्षित हैं – अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भाजपा के शासन के तहत देश की सीमाएं एवं सैनिक सुरक्षित हैं। उन्होंने साथ ही आरोप लगाया कि कांग्रेस का ''हाथ'' हमेशा ही विदेशी शक्तियों के साथ है। ठाकुर ने हमीरपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में दो जनसभाओं को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा, ''मोदी के शासन के तहत हमारी सेना और मजबूत हो गई है, इसका मनोबल बढ़ गया है और सीमाएं मजबूत हुई हैं, दौरान कुछ भी सुरक्षित नहीं था। ठाकुर ने कांग्रेस पर निशाना साधा और उसके चुनाव चिह्न का उल्लेख करते हुए कहा, ''कांग्रेस का 'हाथ' हमेशा ही विदेशी ताकतों के साथ रहा है। इसने हजारों एकड़ जमीन दुश्मनों को सौंप दी और यहां तक कि आज, जब हमारे सैनिक डोकलाम में अपनी बहादुरी दिखा रहे हैं।

आजमगढ आने वाले समय में फिल्म सिटी का केंद्र बनेगा - सीएम योगी

आजमगढ़, संवाददाता। उत्तर प्रदेश केमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पूर्ववर्ती सरकारों से मौजूदा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की तुलना करते हुए कहा कि पिछली सरकारों के दौरान रामभक्तों पर गोलियां चलती थीं, मगर आज अयोध्या में रामभक्तों की आवभगत होती है। योगी रविवार को मेहनगर में आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी और भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता दिनेश लाल निरहुआ के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ''पहले आजमगढ़ की पहचान आतंक के गढ़ की बना दी गई थी, देश में कहीं भी आतंकी धमाके होते थे तो आजमगढ़ का नाम आता था, मगर बीते 10 साल में कहीं कोई आतंकी घटना नहीं हुई। आज तो पटाखा भी जोर से फट जाए तो पाकिस्तान

सफाई देने लगता है। हमें आजमगढ़ को अभी बहुत कुछ देना है, इसे एक औद्योगिक सिटी बनाना है। यह फिल्म सिटी का केंद्र बनेगा जहां से ढेर सारे 'निरहुआ' और आम्रपाली दुबे (अभिनेत्री) जैसे कलाकार निकलेंगे।'' उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा, ''वो लोग यहां पिकनिक मनाने आ रहे हैं और चुनाव बाद घूमने के लिए ब्रिटेन चले जाएंगे, क्योंकि वो बड़े लोग हैं। योगी ने मतदाताओं से अपील की कि आपको अपने बीच का जनप्रतिनिधि चुनना होगा। मुख्यमंत्री ने वर्तमान सांसद और लोकसभा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ की तरीफ करते हुए कहा कि दो साल में निरहुआ ने आजमगढ़ के लिए जितना कार्य किया है, उतना काम कोई भी जनप्रतिनिधि नहीं कर सकता। योगी ने कहा कि छठे चरण में आपको देश में सरकार बनाने के लिए अपना प्रतिनिधि चुनकर भेजना है। चार चरणों के चुनावी रुझान और विपक्ष में मची खलबली तथा बौखलाहट उनकी हार को स्पष्ट प्रदर्शित करती है। योगी ने कहा कि आप देश में कहीं भी चले जाइए, समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता को हर व्यक्ति शक की निगाह से देखता है और लोग मानते हैं कि ये शरीफ तो नहीं होगा, जरूर कोई गुंडा बदमाश होगा। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि सपा के समर्थक की तलाशी शुरू हो जाती है, लोग समझते हैं कि यह कुछ गड़बड़ करने आया होगा। आज आजमगढ़ के लोगों को शक की निगाहों से नहीं देखा जाता और पहचान का संकट खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने देश की तकदीर और तस्वीर को बदल दिया है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा,''इस चुनाव में आपको सपा की जमानत जब्त करने का काम करना है। मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए दिनेश लाल 'निरहुआ' का आजमगढ़ से जीतना जरूरी है। आजमगढ़ में छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा।

कांग्रेस ने 70 साल तक आर्टिकल 370 को बरकरार रखा – अमित शाह

जौनपुर, संवाददाता। कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को आरोप लगाया कि विपक्षी दल ने संविधान के अनुच्छेद–370 को ''बरकरार रखा'' जिसके कारण देश में आतंकवाद बढ़ा। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कभी भी देश का दूसरा विभाजन नहीं होने देगी। एक चुनाव रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, ''कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) ने 70 वर्षों तक अनुच्छेद–370 को बरकरार रखा, जिसके कारण पूरे देश में आतंकवाद बढ़ गया।''उन्होंने कहा, ''आपने मोदीजी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया और उन्होंने पांच अगस्त 2019 को जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद–370 को हटा दिया। जिस कश्मीर में तिरंगा फहराने के लिए सेना को साथ ले जाना पड़ता था, उसी लाल चौक (श्रीनगर) पर अब भगवान कृष्ण की शोभा यात्रा निकाली जाती है।'' यह रैली जौनपुर के मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार बी.पी सरोज के लिए समर्थन जुटाने के खातिर आयोजित की गई थी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता कहते हैं कि देश को दो हिस्सों– दक्षिण भारत और उत्तर भारत, में विभाजित कर देना चाहिए। कांग्रेस को एक बार देश का बंटवारा करके संतुष्टि नहीं मिली, वह देश को फिर से बांटना चाहती है।

एनसीपी व बीजेपी के नेता 2019 में शिंदे को मुख्यमंत्री के रूप में नहीं देखना चाहते थे – संजय

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना– उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना–यूबीटी) के नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि महाराष्ट्र

की मौजूदा सरकार में शामिल दलों राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता 2019 में एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री के रूप में नहीं देखना चाहते थे। राउत ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान यह भी दावा किया कि अजित पवार, दिलीप वालसे पाटिल और सुनील तटकरे जैसे राकांपा नेताओं ने मुख्यमंत्री पद के लिए शिंदे के नाम का विरोध करते हुए कहा था कि वे उनके जैसे कनिष्ठ और अनुभवहीन व्यक्ति के अधीन काम नहीं करेंगे। राज्यसभा सदस्य ने कहा, ''कांग्रेस और राकांपा ने कहा था कि उनके पास कई वरिष्ठ नेता हैं और गठबंधन का नेता ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो अनुभवी एवं वरिष्ठ हो और सभी को साथ लेकर चल सके।'' राउत ने कहा कि इसी प्रकार शिवसेना (उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली अविभाजित शिवसेना) के (सरकार गठन के लिए महा विकास आघाडी के हिस्से के तौर पर) कांग्रेस और राकांपा से हाथ मिलाने से पहले, भाजपा के देवेंद्र फडणवीस, गिरीश महाजन और सुधीर मुनगंटीवार जैसे नेताओं ने शिवसेना से कहा था कि वे नहीं चाहते कि शिंदे मुख्यमंत्री बनें। फडणवीस वर्तमान में मुख्यमंत्री शिंदे के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में उपमुख्यमंत्री हैं।

देश के हर कोने से एक ही आवाज सुनाई दे रही - फिर एक बार मोदी सरकार - पीएम नरेंद्र मोदी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, मेदिनीपुर का ये माहौल साफ बता रहा है कि पूरा बंगाल विकसित भारत के लिए संकल्प ले चुका है। पूरा बंगाल ये ठान चुका है कि इस बार भी केंद्र में एक मजबूत सरकार बनानी है। इसलिए देश के हर कोने से एक ही आवाज सुनाई दे रही है– फिर एक बार मोदी सरकार। बंगाल सरकार पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा, टीएमसी लोकतंत्र की लड़ाई हार गई है और इसलिए वे गुंडों की मदद से जीतना चाहती है।श लेकिन, बंगाल के युवाओं, किसी से डरना नहीं। मेदिनीपुर की धरती वीरों और क्रांतिकारियों की धरती है। उन्होंने आगे कहा, बंगाल में टीएमसी आतंकवाद, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और भाई–भतीजावाद का पर्याय है। अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए

टीएमसी हिंदू समाज और आस्था का अपमान कर रही है। पश्चिम बंगाल की सीएम के हालिया अपमानजनक बयान से सिर्फ पश्चिम बंगाल ही नहीं बल्कि पूरे देश की जनता गुस्से में है। पीएम मोदी ने कहा, टीएमसी के तुष्टीकरण ने बंगाल में जनसांख्यिकी को बिगाड़ दिया है। टीएमसी दूसरे राज्यों से आए लोगों को बाहरी कहती है। हालाँकि, यह अवैध घुसपैठियों को गले लगाता है। घुसपैठिए बंगाल के लिए खतरनाक हैं क्योंकि वे राज्य की जनसांख्यिकी को बिगाड़ रहे हैं। कई हिस्सों में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं. घुसपैठिए दलितों और वंचितों की जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। हमारी बेटियां और बहनें अब सुरक्षित नहीं हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा, जो अल्पसंख्यक हिंदू भाई–बहन प्रताड़ित होकर के यहां आए हैं उनका टीएमसी घोर विरोध करती है। लेकिन मैंने वादा किया था कि मैं इन शरणार्थी परिवारों को नागरिकता दूंगा। ये हमारे भाई–बहन हैं। लेकिन टीएमसी इनकी मदद का विरोध कर रही है, सीएए का विरोध कर रही है।

मोदी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला – राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान संबलपुर सीट से भाजपा के उम्मीदवार हैं। सिंह ने कहा, जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह तक, सभी देश से गरीबी खत्म करने में विफल रहे हैं। लेकिन मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जो इस देश में गरीब लोगों के दुखों को कम कर सके हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 10 वर्षों के दौरान भारत के गरीब लोगों को पक्का घर, घरों में पाइप से पानी, मुफ्त रसोई गैस, मुफ्त खाद्यान्न, शौचालय और कई अन्य सुविधाएं प्रदान की हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने वादे के मुताबिक अयोध्या में श्री राम मंदिर का निर्माण सुनिश्चित किया, जिससे आलोचक चुप हो गए।राम लला अपने मंदिर में आ गए हैं, अब भारत में राम राज्य स्थापित होगा। सिंह ने लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने वाली आयुष्मान भारत योजना को लागू नहीं करने को लेकर ओडिशा की बीजू जनता दल (बीजद) सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, सत्ता में आने पर भाजपा सरकार ओडिशा के लोगों को आयुष्मान भारत कार्ड जारी करेगी। उन्होंने लोगों से कहा कि वे मोदी सरकार की गरीब हितैषी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए कमल के निशान पर वोट डालें। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि ओडिशा में भाजपा की सरकार बनते ही लोगों को पक्का घर, पाइप से पानी, आयुष्मान भारत कार्ड और अन्य सुविधाएं मिलेंगी।

आम आदमी पार्टी को आगे बढ़ने से कोई भी नहीं रोक सकता - केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अपनी पार्टी के नेताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ सड़क पर उतर गए हैं। आतिशी, संजय सिंह, राघव चड्ढा समेत आम आदमी पार्टी के अन्य नेता भी केजरीवाल के साथ भाजपा दफ्तर की ओर कूच कर रहे हैं। भाजपा दफ्तर की ओर बढ़ने से पहले केजरीवाल ने पार्टी मुख्यालय में नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर आप को खत्म करने के लिए ऑपरेशन झाडू चलाने का आरोप लगाया। अरविंद केजरीवाल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी ने आम आदमी पार्टी को कुचलने के लिए 'आपरेशन झाडू' शुरू किया है। प्रधानमंत्री का कहना है कि आप बहुत तेजी से बढ़ रही है, यह प्रधानमंत्री के शब्द हैं जो मुझे उन

लोगों ने बताया जो उनसे मिले हैं। प्रधानमंत्री मोदी का कहना है कि आप बहुत तेजी से बढ़ रही है और आने वाले समय में राष्ट्रीय स्तर पर और कई राज्यों में आप भाजपा को चुनौती दे सकती है इसलिए इसके पहले कि आप चुनौती बने आप को पहले ही कुचल देना जरूरी है। केजरीवाल ने आगे कहा, ये लोग 'आपरेशन झाड़ू' के तहत हमारे बड़े नेताओं को गिरफ्तार करेंगे। हमारे बैंक खाता सीज किए जाएंगे और हमारा दफ्तर खाली करके हमें सड़कों पर लायेंगे। उन्हें लगता है कि ऐसे ये आम आदमी पार्टी को खत्म कर देंगे।

लेकिन ऐसा होगा नहीं, क्योंकि आप देश के 140 करोड़ लोगों के सपने की पार्टी है। जिस तरह के काम हमने दिल्ली और पंजाब में किए हैं, 75 सालों में इस देश के लोगों ने कभी नहीं देखे, दिल्ली और पंजाब में हमने सरकारी स्कूल ठीक करने शुरू कर दिए, गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलने लगी। ये पीएम मोदी नहीं कर पा रहे तो उन्होंने तय किया कि इन्हें रोको और गिरफ्तार कर लो, अब हम महिलाओं को हजार–हजार रुपये देने जा रहे हैं।

खतरनाक मोड़ पर खड़ा है देश, लोकतंत्र और संविधान को बचाना होगा – सीएम मान

पंजाब, एजेंसी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दावा किया कि भारत इस समय एक खतरनाक मोड़ पर खड़ा है और इस लोकसभा चुनाव में लड़ाई देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए है। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सत्ता के नशे में अंधे हो गए हैं। उन्होंने कहा, उन्हें इस बात का आभास नहीं है कि यह देश किसी की निजी संपत्ति नहीं है। यह 140 करोड़ लोगों का है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने इस देश के लिए अपना जीवन कुर्बान कर दिया।

विकास ही मुख्य मुद्दा, बल्कि विपक्षी दलों की सच्चाई बता रहे – सीएम धामी

नयी दिल्ली, एजेसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए विकास ही सबसे बड़ा मुद्दा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर इन चुनावों में 'हिंदू–मुसलमान' करने के संबंध में लग रहे आरोपों को सरासर गलत ठहराते हुए कहा कि हकीकत यह है कि वह (मोदी) विपक्षी दलों की 'सच्चाई' देश को बता रहे हैं। धामी ने दावा किया कि पूरे देश में प्रधानमंत्री मोदी की 'लहर' है और इसमें रत्ती भर संदेह नहीं कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 400 सीट जीतेगा और मोदी लगातार तीसरी बार देश की कमान संभालेंगे। उन्होंने कहा, ''जमीनी सच्चाई यही है कि प्रधानमंत्री मोदी जी एक लहर चल रही है पूरे देश में। वह सब पर भारी हैं।दक्षिण के राज्यों में भी भीषण गर्मी में लोग लाखों की संख्या में उन्हें सुनने और देखने को आ रहे हैं। तेलंगाना हो या बंगाल हो या फिर ओडिशा, पिछले चुनाव की तुलना में हमारी सीट बहुत ज्यादा संख्या में बढ़ने वाली है। राजग 400 पार होगा और मोदीजी फिर प्रधानमंत्री बनेंगे... इसमें कोई शक नहीं।'' इसकी वजह पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''देश की जनता ने प्रधानमंत्री द्वाराकिए गए कामों को देखा है। उन्होंने देश के लिए जो तपस्या की है, तो लोग भी उन्हें उस तपस्या का परिणाम देने को उत्सुक हैं। महिलाएं और युवा वर्ग में तो उन्हें लेकर गजब का उत्साह देखने को मिलता है।'' धामी ने इस क्रम में कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने, पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, तीन तलाक की समाप्ति और नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) जैसे फैसलों और जन–धन से लेकर किसान सम्मान और गरीब कल्याण तक केंद्र सरकार की तमाम योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने देशवासियों को परिवार मानकर काम किया है। यह पूछे जाने पर कि जब सब कुछ राजग के पक्ष में है, तो फिर प्रधानमंत्री पर चुनाव के दौरान 'हिन्दू–मुसलमान' करने के आरोप क्यों लगते हैं, इसपर धामी ने कहा ,'' हमारा मुख्य मुद्दा विकास ही है, लेकिन साथ ही विपक्षी दलों की सच्चाई जनता के समक्ष रखना भी पार्टी का दायित्व है। उन्होंने कहा, ''जब कांग्रेस का घोषणापत्र जारी हुआ और कांग्रेस के नेताओं के बयान आए... 'इंडी' गठबंधन के लोगों के बयान आए... तो ये बातें देश को बताना जरूरी हो गया। वही बातें प्रधानमंत्री ने देश को बताना शुरु किया, तो इन लोगों को लगता है कि विकास मुद्दा नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''हमारा मुख्य मुद्दा विकास ही है, लेकिन देश को विपक्षी दलों की सच्चाई भी पता होनी चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का घोषणापत्र जारी होता है, तो देश के अंदर समान नागरिक संहिता का संकल्प सामने आता है, जबकि कांग्रेस का घोषणापत्र सामने आता है, तो उसमें 'पर्सनल लॉ' का उल्लेख होता है। उन्होंने कहा, ''पर्सनल लॉ तो उसी में होता है... ऐसा लगता ही नहीं है कि यह कांग्रेस का घोषणापत्र है। स्पष्ट है कि तुष्टीकरण के लिए लाया गया है। भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा में न जाना, सनातन को गाली देना, लालू जी (लालू प्रसाद) का मुसलमानों के लिए आरक्षण की बात करना, कर्नाटक में आप ओबीसी में एक वर्ग विशेष को ले आए हैं। संयुक्त आंध्र में यह काम पहले कर चुके हैं...देश की जनता को यह सब सच्चाई बताना भी जरूरी है।'' पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के विभिन्न इलाकों में लगातार चुनाव प्रचार कर रहे धामी ने दावा किया कि भाजपा उत्तराखंड के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी की सभी सीट पर जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा, ''उत्तराखंड में सभी पांच सीट हम जीत रहे हैं। देख रहा हूं कि दिल्ली का दिल भी मोदी जी के लिए है। सातों सीट जीतेंगे। अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए धामी ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के मामले में तो उन्होंने कांग्रेस को भी पीछे छोड़ दिया है और दिल्ली की जनता की गाढ़ी कमाई पर 'झाड़ू' फेर दी है। स्वाति मालीवाल से मारपीट मामले का जिक्र करते हुए धामी ने केजरीवाल पर निशाना

साधा और कहा, ''आज भी उन्होंने नौटंकी की है। अपराधियों को संरक्षण देना, अपराधियों का पैरोकार बनना... मतलब कहीं न कहीं आप अपराध में शामिल हैं। आप ही की पार्टी की महिला सांसद ने आरोप लगाए हैं। उनके साथ ऐसा व्यवहार करना। मारपीट करना... ये दर्शाता है कि आप महिलाओं को कुछ नहीं समझते। मानसिकता महिला विरोधी है। दिल्ली की जनता यह सब देख रही है।

संपादकीय

राष्ट्रीय अंध स्थान

दो सप्ताह पहले एक बेहद गर्म दोपहर में चेन्नई की व्यस्त सड़कों में से एक से गुजरते हुए, मेरी कार एक ट्रैफिक सिग्नल पर रुकी। यह भिक्षा मांगने वालों का क्षण था। लगभग चालीसवें वर्ष का एक व्यक्ति, किशोरावस्था में एक लड़की के साथ, जो देखने में ऐसी लग रही थी कि वह उसकी बेटी हो सकती है, यह बात कहीं से भी सामने नहीं आई। जैसे ही वे पास आये, मैंने देखा कि वह पूरी तरह से अंधा था। उसके हाथ में एक टिन का डिब्बा था, जिसमें दो बार मोड़ने पर इतना चौड़ा छेद था कि सिक्के या नोट निकल सकें। न तो उन्होंने कुछ कहा, न ही उनकी बेटी ने. वे चिलचिलाती धूप के नीचे खड़े थे और मैंने अपने सारे सिक्के उसके टिन के डिब्बे में डाल दिए। और जैसे ही मैंने गर्मी को बंद करने के लिए खिड़की को ऊपर किया, मैंने उसे स्पष्ट आवाज में कहते हुए सुना, नन्नरी। बस कि। मैंने धन्यवाद के तमिल समकक्ष को इतनी शांत गरिमा, लालित्य के साथ कभी नहीं सुना है। यह यंत्रवत या यूं ही नहीं कहा गया था। ऐसा कहा गया जैसे कहने वाला शब्द के मूल को जानता हो। फिर बेटी ने धीरे से उसे किनारे की ओर धकेला, जहां, जैसे ही बत्ती हरी हुई और मेरी कार चली, वे अदृश्य हो गए। अपने वातानुकूलित एस्टिलो में आगे बढ़ते हुए, मुझे लगभग 10 साल के एक जन्मांध लड़के की याद आई, जिसका परिचय लगभग दो दशक पहले दृष्टिहीनों के लिए काम करने वाले एक गैर सरकारी संगठन ने कलकत्ता में कराया था। इसके अलावा वह उत्साह की प्रतिमूर्ति और क्रिकेट प्रशंसक भी थे। आपका क्रिकेट हीरो कौन है? मैंने छोटे कलकत्तावासी से पूछा, यह सोचकर कि वह सौरव कहेगा। लेकिन नहीं, उसने मुझे अपनी पसंद से आश्चर्यचकित कर दिया। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा– शोचेन। उसने यह चुनाव कैसे किया, मैं समझ नहीं पाया। ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे वह खिलाड़ी को स्क्रीन पर खेलते हुए देख सके। या अखबारों में उसके बारे में पढ़ा. अब उनकी उम्र 30 के आसपास होनी चाहिए. वह शायद नौकरीपेशा है, शादीशुदा है, पिता है। वह जहां भी है, उसके पास कुछ न कुछ तो होगा ही, जो उत्साह उसने तब दिखाया था जब वह सिर्फ 10 साल का था। और मैंने एक और, बड़े लड़के के बारे में सोचा, सौम्य, ऐसा लग रहा था कि वह एक कवि हो सकता है, मैं अंधों के लिए एक घर में अन्य लड़कों और उनकी देखभाल करने वालों से मिला। उसमें कोई उत्साह नहीं था. जब मैंने उसके हाथों को अपने हाथों में लिया और कुछ बेतुकी बातें कहीं, तो उसने चुपचाप मेरी बात सुनी और कुछ नहीं कहा (वह बोल सका)। वह बस अपने आप में मुस्कुराया, बहुत झिझकते हुए, लेकिन उसने मेरे हाथों को मजबूत कर लिया और कुछ लंबे सेकंड तक उन्हें न छोड़ते हुए, जैसा कि मैंने कल्पना की थी, कुछ कहने लगा। वह क्या हो सकता है? बाद में, मैंने कल्पना की कि वह कहना चाहता हैरू श्मुझे बात करने की जरूरत है... कई बातें बताने के लिए... सिर्फ आप तक, लेकिन मैं जानता हूं कि हम अकेले नहीं हैं... मुझे कभी नहीं पता कि मैं कब अकेला हूं और कब नहीं... जानने के लिए कभी अकेले नहीं हूं... या प्राकृतिक जरूरतों के लिए... यह महसूस करना कि मेरी निजता मेरी है... बिना यह सोचे कि मुझे कौन देख रहा है... और जब मेरे शरीर के साथ कुछ अन्य चीजें होती हैं... जैसे... मैं इसका वर्णन नहीं करूंगा... मैं नहीं चाहता कि कोई देखे लेकिन मुझे पता है कि वे देख रहे हैं और शायद हंस रहे हैं ...यह हम अंधों के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है... सब कुछ अंधेपन का आवरण है और सब कुछ नग्न है... सब कुछ निजी है और कुछ भी निजी नहीं है... लेकिन मैं आपको हिरासत में ले रहा हूं... नमस्कार राज्यपालशाहेब... नमस्कार... आबार आशुं... फिर आएं... लेकिन आप ऐसा क्यों करेंगे ? तुम्हें वापस लौटने की कोई जरूरत नहीं...श यह बातचीत मेरी कल्पना में हुई थी. लेकिन मैं जानता हूं कि यह मेरे कानों से सुनी गई किसी भी चीज से कहीं अधिक वास्तविक है। मुझे इस बात का तनिक भी एहसास नहीं है, यहाँ तक कि इस बारे में थोड़ी सी भी चिंता नहीं है कि अंधे व्यक्ति की स्क्रीन के श्टॉकीश में क्या चल रहा है। अगर मैं इसे देख पाता, तो यह कुछ ऐसा होता जिसे कोई सेंसर बोर्ड अनुमति नहीं देता, कोई भी फिल्म स्क्रीन इसे बर्दाश्त नहीं कर पाती। हममें से ज्यादातर लोगों को यह भी पता नहीं है कि अंधों और दृष्टिबाधित लोगों की संख्या के मामले में भारत दुनिया में शीर्ष पर है। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर प्रिवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस के 2020 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 9.2 मिलियन दृष्टिहीन व्यक्ति हैं, इसके बाद 8.9 मिलियन के साथ चीन दूसरे और 3.7 मिलियन के साथ इंडोनेशिया तीसरे स्थान पर है। भारतीय जनसंख्या में महिलाओं का प्रतिशत लगभग 48: है, भारत में लगभग 45 लाख दृष्टिहीन महिलाएँ और लड़कियाँ हैं। एक दर्दनाक विचार! और यह तथ्य भी कम दुखद नहीं है कि 9.2 मिलियन नेत्रहीन भारतीयों में से 5 मिलियन अत्यधिक गरीबी में रहते हैं, यानी गरीब, बेहद गरीब हैं। नन्नरी उन 50 लाख में से एक में से मेरे पास आई। यह देखते हुए कि, औसतन, लोकसभा का एक सदस्य 1.5 मिलियन व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करता है, भारत के 9.2 मिलियन नेत्रहीनों को 6 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों और भारत के दृष्टिहीन—से—गरीब 3 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के बराबर माना जा सकता है। पूरे भारत में फैले होने के कारण, उनके पास सामूहिक रूप से प्रतिनिधित्व करने के लिए एक भी व्यक्ति नहीं है, चाहे वह अंधा हो या दृष्टिहीन। और यहां मैं अंधों की बात कर रहा हूं, दृष्टिबाधितों की नहीं।

आजाद भारत की राजनीति और शासन का आकार

आदित्य

हम भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि की 60वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं। यहां मैं नेहरू जी के राजनीतिक जीवन के एक प्रमुख पहलू, सरदार वल्लभभाई पटेल के साथ उनके रिश्तों पर बात करना चाहता हूं। इन दोनों ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान और देश की आजादी के शुरुआती वर्षों में कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। दोनों के बीच वैसी ही असहमति थी, जैसे कि एक साथ काम करने वाले दो व्यक्तियों के बीच अक्सर होती है। दोनों के बीच असहमति के बावजूद पूरी तरह एक साझेदारी नजर आती है, जिसमें दोनों की अलग–अलग ताकत एक साथ मिलकर उस धरती की सेवा में लग जाती है, जिससे वे दोनों प्यार करते थे। इस आपसदारी को नरेंद्र मोदी और उनके सहयोगी दलों द्वारा पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया, जो नेहरू को नीचा दिखाने और पटेल को ऊपर उठाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। जब अंग्रेज हम पर शासन कर रहे थे, नेहरू और पटेल ने भारतीय समाज के ज्यादातर वर्गों को मिलाकर कांग्रेस के रूप में एक जनसंगठन बनाया था। दोनों ने कई साल जेल में बिताए। यही नहीं, स्वतंत्र भारत की कैबिनेट में दोनों ने साथ–साथ काम किया। नेहरू ने इस बात का ख्याल रखते हुए कि महिलाओं को धार्मिक और भाषाओं के आधार पर पिछड़े या अल्पसंख्यकों को समान अधिकार मिलें, भारत के भावनात्मक जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित दिया। उन्होंने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार पर आधारित बहुदलीय लोकतंत्र की जोरदार वकालत की। पटेल ने क्षेत्रीय एकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया और रियासतों को एक साथ लाए। उन्होंने सिविल सेवाओं में सुधार और संविधान पर आम सहमति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा सार्वजनिक और निजी जीवन में भी दोनों का एक–दूसरे के प्रति गहरा सम्मान था। सितंबर 1948 में पटेल ने अपने युवा सहकर्मी को पत्र लिखकर कहा कि "आपके मन में मेरे और जवाहरलाल के अलग होने के बारे में जो गलत धारणा है, उसे आप दूर कर लें। इस बात में कोई सच्चाई नहीं है। हां, हम दोनों के बीच विचारों को लेकर मतभेद हो सकते हैं, जैसा कि सभी ईमानदार लोगों में होता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम दोनों के बीच आपसी सम्मान, प्रशंसा या फिर विश्वास को लेकर कोई दूरी है।" एक साल बाद नेहरू को उनके 60वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए पटेल ने लिखा कि "हम एक–दूसरे को इतनी घनिष्ठता से जानते हैं कि यह स्वाभाविक है कि हम एक–दूसरे के स्नेही हो गए हैं। लोगों के लिए यह कल्पना करना मुश्किल है कि हम दोनों एक–दूसरे की कितनी कमी महसूस करते हैं, जब हम दूर होते हैं या फिर किसी समस्या को सुलझाने में मदद नहीं ले पाते हैं। यह प्रशंसा का प्रतिदान ही था कि अगस्त 1947 में नेहरू ने पटेल को पत्र लिखकर उन्हें 'कैबिनेट का सबसे मजबूत स्तंभ' बताया। इसके तीन साल बाद जब पटेल का देहांत हुआ तो नेहरू ने अपने दिवंगत दोस्त और सहकर्मी को स्वतंत्रता संग्राम का सबसे महान कप्तान और एक ऐसा व्यक्ति बताया, जिसने मुसीबतों के साथ–साथ जीत के क्षणों में भी उन्हें अच्छी सलाह दी। नेहरू ने कहा कि उन्होंने जिस तरह पुरानी भारतीय रियासतों की समस्या को संभाला, उससे उनकी बुद्धिमत्ता का पता चलता है। उन्होंने अपना लक्ष्य एकीकृत और मजबूत भारत का रखा। नेहरू ने अपनी श्रद्धांजलि यह कहते हुए खत्म की थी कि "देश के लोगों को पटेल के कार्य समर्पण, उनकी दृढ़ता, अनुशासन की भावना का सम्मान करना चाहिए और उस स्वतंत्र, मजबूत एवं समृद्ध भारत की भावना को महसूस करना चाहिए, जिसके लिए उन्होंने मेहनत की।" ऐतिहासिक दस्तावेज बताते हैं कि नेहरू और पटेल आजादी से पहले और बाद में सहयोगी और सहकर्मी रहे, तो जनता के बीच उन्हें एक–दूसरे के विरोधी के तौर पर क्यों दिखाया जाता है? सही मायनों में यहां पर नेहरू के परिवार की गलती थी। जनवरी 1966 में नेहरू के उत्तराधिकारी के रूप में प्रधानमंत्री बने लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु मात्र इकसठ साल की आयु में हो गई। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने शास्त्री के उत्तराधिकारी के रूप में इंदिरा गांधी को यह सोचकर चुना कि वे उन्हें अपने हिसाब से नियंत्रित कर सकते हैं। लेकिन इंदिरा गांधी ने पार्टी पर अपना अधिकार जता दिया। उन्होंने प्रिवी पर्स को हटाने तथा बांग्लादेश की लड़ाई में नेतृत्व क्षमता को दिखाया और पार्टी पर पूरी तरह नियंत्रण कर उसे एक पारिवारिक पार्टी बनाने की ठान ली। श्रीमती गांधी राष्ट्र के निर्माण में वल्लभभाई पटेल के योगदान से अनभिज्ञ नहीं थीं, फिर भी उन्होंने अपने पिता के नाम को ऊपर उठाने की पूरी कोशिश की। इसके लिए उन्होंने एक विश्वविद्यालय का नाम भी नेहरू के नाम पर रखा। जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने, उस समय पटेल और अन्य नेताओं के बजाय नेहरू का महिमामंडन ज्यादा किया गया और 1989 में नेहरू के जन्म शताब्दी समारोह के लिए राज्यों द्वारा प्रायोजित तमाशे किए गए। उसी समय राजीव गांधी ने मां इंदिरा को अपने नाना के बराबर जगह देने के लिए राजधानी के हवाई अड्डे का नाम उनके नाम पर रखा। सोनिया गांधी ने 1998 में कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद इस प्रक्रिया को और आगे बढ़ाया। पार्टी के इतिहास के बारे में जितनी उनकी समझ थी, उसके अनुसार वल्लभभाई पटेल और कांग्रेस के अन्य बड़े नेताओं– आजाद, कामराज, सरोजनी नायडू आदि के लिए उसमें कोई जगह नहीं थी। 2004 से लेकर 2014 के बीच कई बड़े प्रोजेक्ट्स के नाम राजीव गांधी के नाम पर रखे गए। उनके जन्म और मृत्यु की वर्षगांठ मनाने पर भी सार्वजनिक धन का एक बड़ा हिस्सा खर्च किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में नरेंद्र मोदी को यह सिखाया गया होगा कि उनके यहां के.एस. हेडगेवार और एम.एस. गोलवलकर कितने पूजनीय हैं। भाजपा में मोदी से श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय की प्रशंसा करने के लिए भी कहा गया होगा। शायद इसीलिए पटेल की प्रशंसा उन्होंने देर से शुरू की, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री बने। 2012 के आसपास जब उन्होंने प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा जाहिर कर दी, तब सार्वजनिक तौर पर पटेल की बातों को उठाना और तेज कर दिया। मोदी की देखा–देखी भाजपा ने भी पटेल की प्रशंसा शुरू कर दी। जैसा कि लेखक और जनसेवक गोपाल कृष्ण गांधी कहते हैं कि नेहरू के बाद की कांग्रेस ने पटेल को अस्वीकार कर दिया था, वहीं भाजपा ने उन्हें गलत तरीके से भुनाना शुरू कर दिया। हालांकि यह मोदी और भाजपा के लिए नेहरू को नापसंद करने का कारण हो सकता है, लेकिन इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि पूरी जिंदगी कांग्रेसी रहने वाला भाजपा की संपत्ति कैसे बन गया। मोदी और भाजपा ने जिस तरह नेहरू के सहयोगी पटेल का इस्तेमाल पहले प्रधानमंत्री की छवि को मिटाने के लिए किया, उससे आज अगर वल्लभभाई पटेल होते तो चकित रह जाते। जवाहरलाल नेहरू और वल्लभभाई पटेल की जोड़ी ने आजाद भारत की राजनीति और शासन को आकार दिया था।

सोशल मीडिया के दौर में चुनावी प्रचार से रंगी हैं दीवारें

प्रभाकर

पश्चिम बंगाल शायद देश का अकेला ऐसा राज्य है जहां सोशल मीडिया के मौजूदा दौर में भी दीवार लेखन की परंपरा प्रासंगिक और समृद्ध बनी हुई है। राज्य की दीवारें जब नेताओं के कार्टूनों और चुभती क्षणिकाओं से रंगी नजर आने लगें तो समझना चाहिए कि यहां चुनावों का मौसम आ गया है। इस राज्य के हजारों लोग दीवार लेखन की इस कला से जुड़े हुए हैं। चुनावों के समय अपने–अपने उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार और विपक्ष के खिलाप चुटीले नारों से सजी दीवारें बरबस ही ध्यान खींचती हैं। एक अनुमान के मुताबिक, यह कारोबार करीब सौ करोड़ का है। इस बार भी लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के पहले से ही राज्य में ज्यादातर दीवारें अलग–अलग पार्टियों और उनके उम्मीदवारों के प्रचार से पट गई थी। करीब चार दशक तक कोलकाता के सबसे बड़े अखबार समूह में काम करने वाले वरिष्ठ पत्रकार कहते हैं कि साल 1952 में हुए पहले चुनाव से ही दीवार लेखन बंगाल में चुनाव अभियान का अभिन्न हिस्सा है। सोशल मीडिया के मौजूदा दौर में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। दिलचस्प बात यह है कि जब चुनाव नहीं होते तब बी कई जगह तमाम दलों में दीवारों पर कब्जे की होड़ मची रहती है। उन पर सफेद रंग पोत कर काली या नीली स्याही से लिख दिया जाता है कि यह दीवार अमुक पार्टी के अगले पांच सालो तक के लिए रिजर्व है। दीवारों पर ऐसे–ऐसे चुभते नारे लिखे जाते हैं जो आम लोगों की जुबान पर चढ़ जाते हैं इस दौरान बनाए गए कई कार्टून भी काफी चोट करते हैं। राजनीतिक दलों का कहना है कि दीवार लेखन से जहां पर्यावरण का संदेश जाता है वहीं इस पर लिखे नारों और कार्टूनों का आम लोगों में बहुत गहरा असर होता है। कई नारे और कार्टून तो "देखन में छोटे लगें, घाव करें गंभीर" को चरितार्थ करते नजर आते हैं। नक्सल आंदोलन के दिनों में "आमार बाड़ी, तोमार बाड़ी नक्सलबाड़ी–नक्सलबाड़ी यानी हमारा घर, तुम्हारा घर–नक्सलबाड़ी" हिट रहा था। वर्ष 2006 के विधानसभा चुनावों के दौरान चुनाव आयोग ने दीवार लेखन पर पाबंदी लगा दी थी। आयोग ने तब वेस्ट बंगाल प्रिवेंशन आफ प्रापर्टी डिफेसमेंट एक्ट, 1976 के तहत यह पाबंदी लगाई थी। दिलचस्प बात यह है कि तब तमाम राजनीतिक इस फैसले के खिलाफ एकजुट हो गए थे। इससे यहां दीवार लेखन की अहमियत का पता चलता है। बाद में इस कानून को कुछ शिथिल बनाया गया। इसमें कहा गया कि दीवार पर लिखने के लिए उसके मालिक की सहमति जरूरी है।

महानगर के एक कार्टूनिस्ट मनोरंजन मंडल कहते हैं–

ऐसे कलाकारों की कमी नहीं है जो हमारे बनाए कार्टूनों को जस का तस दीवारों पर उतार देते हैं। कलाकारों के मोहल्ले चितपुर में बीरेन दास बताते हैं कि उनके जिम्मे काफी काम है। वो दो महीने से अपने लोगों के साथ उत्तर कोलकाता की दीवारों पर विभिन्न पार्टियों के समर्थन में नारे लिखने और कार्टून बनाने में व्यस्त हैं।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सौगत राय कहते हैं–

"आम लोगों तक पहुंचने के लिए दीवार लेखन का कोई सानी नहीं है। प्रचार के इस पारंपरिक तरीके का वोटरों के दिमाग पर गहरा असर होता है। सीपीएम नेता सुजन चक्रवर्ती भी यह बात मानते हैं। वे कहते हैं, "सोशल मीडिया के इस दौर में भी दीवार लेखन, दोहों और कार्टूनों का तत्काल असर होता है।" सीपीएम के वरिष्ठ नेता स,जन चक्रवर्ती कहते हैं कि सोशल मीडिया के मौजूदा दौर में भी यहां दीवार लेखन के जरिए प्रचार की अहमियत बनी हुई है। रोजाना आते–जाते इन दीवारों को देखने के कारण आम लोगों के मन पर इनकी गहरी छाप पड़ती है। यह दशकों से प्रचार का एक कामयाबी फार्मूला रहा है। बीजेपी नेता दिलीप घोष का कहना है कि बंगाल में नारों के जरिए प्रचार का इतिहास बहुत पुराना और समृद्ध रहा है। इसका आम लोगों पर असर तो होता ही है, पर्यावरण को नुकसान भी नहीं पहुंचता।" जाने–माने बांग्ला साहित्यकार शीर्षेंदु मुखर्जी राज्य में हुए अब तक तमाम चुनावों के साक्षी रहे हैं। वह कहते हैं कि बंगाल में दीवार लेखन महज प्रचार का हथियार ही नहीं बल्कि एक कला भी है। देश में कहीं भी ऐसी कला देखने को नहीं मिलेगी। सोशल मीडिया, पोस्टरों और बैनरों के इस दौर में भी इसकी अपनी खास जगह और पहचान कायम है। राजनीतिक विश्लेषक विश्वनाथ चक्रवर्ती भी मानते हैं कि इंटरनेट और सोशल मीडिया के मौजूदा दौर में भी दीवार लेखन की प्रासंगिकता बनी हुई है।

प्लास्टिक का उपयोग बंद करना जरूरी

विवेक

हाल ही में कनाडा की राजधानी ओटावा में प्लास्टिक प्रदूषण पर अंतरराष्ट्रीय संधि के लिए गहन मंथन के बाद राष्ट्रों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि के प्रारूप पर सहमति बनी, जो इसी वर्ष के अंत में बुसान में होने वाली बैठक में सहभागियों के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। प्लास्टिक प्रदूषण से दुनिया का कोई भी राष्ट्र अछूता नहीं है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र एक बाध्यकारी संधि के लिए पहल की है। प्लास्टिक प्रदूषण से समस्त मानवता और जैविक सभ्यता निरंतर प्रभावित हो रही है। 20वीं सदी की महान उपलब्धि प्लास्टिक धीरे–धीरे संपूर्ण मानव सभ्यता व प्रकृति के लिए एक बड़े संकट के रूप में प्रकट हो गई है। पिछले कुछ वर्षों में एक ही बार उपयोग में आने वाली प्लास्टिक सामग्री पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, लेकिन अब भी प्रतिवर्ष 600 अरब डॉलर मूल्य का करीब 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। यह उत्पादन 2050 तक करीब 100 करोड़ टन प्रतिवर्ष से भी बढ़ जाएगा। तथ्य यह है कि जितने प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है, उसके नौ फीसदी की ही रीसाइक्लिंग हो पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार, अधिकांश प्लास्टिक या तो खुले में जलाया जा रहा है या यत्र–तत्र फेंक दिया गया है। दीर्घ आयु होने के नाते इसका निरंतर उपयोग या दुरुपयोग होता रहता है। इन्हीं वजहों से वर्ष 2040 तक सभी प्रकार के प्लास्टिक उत्पादन को 60 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य निर्धारित किया जा रहा है, अन्यथा यह चक्र कभी रुकने वाला नहीं है। प्लास्टिक के समर्थक तर्क देते हैं कि इससे 3.5 फीसदी ही कार्बन उत्सर्जन होता है, लेकिन प्लास्टिक की पहुंच और भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पश्चिम प्रशांत महासागर में 36,000 फुट की गहराई और माउंट एवरेस्ट की 29,000 फुट ऊंचाई तक प्रचुर मात्रा में प्लास्टिक पाया गया है। यह तो वह प्लास्टिक है, जो हम प्रत्यक्ष रूप में देखते हैं। व्यापक जनजागृति और तमाम प्रयासों के बावजूद हम अपने शरीर में जगह बना चुके प्लास्टिक से बेखबर हैं। हमें इसका जरा भी इल्म नहीं है कि प्लास्टिक के साथ स्वास्थ्य के लिए हानिकारक कई प्रकार के रसायन हमारे शरीर में प्रवेश कर चुके हैं। संभवतः इस पृथ्वी पर अब ऐसा कोई भी स्थान शेष नहीं है, जहां प्लास्टिक न हो। भोजन, पानी, वस्त्र, आदि के जरिये प्लास्टिक के सूक्ष्म कण हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं। यहां तक कि सौंदर्य प्रसाधन एवं स्वास्थ्य रक्षा हेतु भी प्लास्टिक का उपयोग हो रहा है। बीस वर्ष पूर्व पहली बार छोटे प्लास्टिक यानी 2–5 मिलीमीटर आकार वाले प्लास्टिक के कणों की खोज हुई, जो प्लास्टिक के बड़े टुकड़ों के टूटने से बने थे। फिर नैनो प्लास्टिक का पता चला, जो अत्यंत ही सूक्ष्म आकार के होते हैं। नैनो प्लास्टिक अपने सूक्ष्म आकार के कारण सामान्य दृष्टि से ओझल रहते हैं और विभिन्न माध्यमों से हमारे शरीर में पहुंचकर ऊतकों में जमा हो जाते हैं तथा दूरगामी असर पैदा करते हैं। विभिन्न अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि बढ़ते कैंसर, दिमागी रक्तस्राव जैसी गंभीर अवस्थाओं के लिए प्लास्टिक भी बहुत बड़ा कारक है। प्लास्टिक मुक्त वातावरण की संकल्पना के लिए सबसे बड़ा अवरोध है इसका सार्थक विकल्प घ्न होना।

यदि कुछ विकल्प सुझाए भी गए हैं, तो वे सुगमता की कसौटी पर प्लास्टिक से कोसों दूर हैं। बहरहाल इस विकट समस्या से निजात पाने के लिए जरूरी है, प्लास्टिक की रीसाइक्लिंग व पुनः उपयोग की व्यवस्था को सुदृढ़ करना।घ्भारत में स्वच्छ भारत अभियान के बाद प्लास्टिक उपयोग में सांकेतिक रूप से कमी आई है। अनेक स्टार्ट अप के माध्यम से प्लास्टिक संग्रहण, पृथकीकरण एवं पुनः उपयोग के कार्यों में तेजी आई है। लेकिन ये सभी प्रयास सूक्ष्म एवं नैनो प्लास्टिक को रोकने में कहीं कारगर नहीं है। जब तक हर व्यक्ति निजी स्तर पर प्लास्टिक के उपयोग से परहेज नहीं करेगा, तब तक इससे निजात पाना असंभव है। नीतिगत स्तर पर प्लास्टिक उत्पादन में कमी लाने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। जब तक प्लास्टिक के उपयुक्त विकल्प नहीं मिलते, रीसाइकल एवं अपसाइकल को प्रोत्साहित करने की नीति अपनानी होगी। खुले में छूटा प्लास्टिक सृष्टि पर आक्रमण की क्षमता रखता है। विनाश से बचने के लिए हर व्यक्ति को उत्तरदायी होना होगा। प्लास्टिक का न्यूनतम अथवा वर्जित उपयोग सबके हित में है।

नीतीश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े

ललित

मौजूदा लोकसभा चुनाव के चौथे चरण की पूर्व संध्या पर, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने पटना में एक रोड शो किया, जिसने रास्ते में इकट्ठा हुई भारी भीड़ को मंत्रमुग्ध कर दिया। हालाँकि, खुली छत वाली गाड़ी में मोदी के साथ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी आश्चर्यजनक थी। इसे पूरे राजनीतिक क्षेत्र से तीखी प्रतिक्रियाएँ मिलीं। नीतीश मोदी से एक कदम पीछे खड़े थे, जो एक ऊंचे मंच पर खड़े थे जिससे वह लंबे दिख रहे थे। ये वही नीतीश हैं जो कभी मोदी के हर कदम पर कदम रखते थे नीतीश भी नीतीश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते थे और उन्हें अपने बराबर का मानते थे। लेकिन इस बार, नीतीश मोदी के बगलगीर बनकर रह गए। इससे भी बढ़कर, बिहार के मुख्यमंत्री रोड शो और अपने आसपास के माहौल के प्रति उदासीन लग रहे थे वह उदास दिख रहे थे और न तो मुस्कुराए और न ही भीड़ की ओर हाथ हिलाया। इससे उनके डिमेंशिया से पीड़ित होने की अटकलों को बल मिला. जैसे कि यह सब पर्याप्त नहीं था, नीतीश को कमल का एक कटआउट दिया गया – भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह – धारण करने के लिए और उन्होंने उदास होकर उसके साथ खिलवाड़ किया। जो लोग नीतीश को लंबे समय से जानते हैं, उन्होंने उन्हें इस तरह से दरकिनार किए जाने पर दुख जताया है. उन्हें इस बात का भी अफसोस है कि मोदी ने उन्हें कैसे पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने नीतीश को आगे लाने और एक दोस्त के रूप में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने का कोई प्रयास नहीं किया। फास्ट एंड फ्यूरियस राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद के बेटे और कई लोगों द्वारा मनमौजी माने जाने वाले तेज प्रताप यादव ने मौजूदा चुनावों में कम प्रोफाइल रखी है। लेकिन हाल ही में वह एक सार्वजनिक बैठक के दौरान तब सुर्खियों में आ गए जब उन्होंने एक पार्टी कार्यकर्ता को मंच से धक्का दे दिया। संतुलन खोते हुए, पार्टी कार्यकर्ता क्रमशः राबड़ी देवी और मीसा भारती, तेज की मां और बहन से टकरा गए, जो मंच पर भी मौजूद थे। दोनों महिलाएं किसी तरह खुद को बचाने में कामयाब रहीं और फिर तेज को पार्टी कार्यकर्ता के साथ और मारपीट करने से रोकने के लिए आगे आईं। लेकिन गुस्से से उबल रहे तेज ने उन्हें एक बार फिर मंच से धक्का दे दिया. यह घटना मीडिया में वायरल हो गई. भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने इस अवसर का उपयोग जनता को पूर्ववर्ती राजद सरकार के तहत श्जंगल राजश की याद दिलाने के लिए किया। जैसे ही स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई, तेज ने सोशल मीडिया पर स्पष्टीकरण दिया कि जब पार्टी कार्यकर्ता राबड़ी और मीसा के बीच आया तो वह घायल हाथ की देखभाल कर रहे थे। "वह आगे बढ़ना चाहता था और उसने मुझे इस प्रक्रिया में आगे बढ़ाया। मुझे अपने हाथ में असहनीय दर्द महसूस हुआ और मुझे खुद को बचाने के लिए उसे एक तरफ ले जाना पड़ा, तेज ने लोगों से स्थिति के दोनों पक्षों को देखने का आग्रह करते हुए समझाया। विरोध में आम आदमी पार्टी ने अपनी सांसद स्वाति मालीवाल को पार्टी अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार के पक्ष में छोड़ दिया है, जिन पर मालीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास पर उनके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। इस कदम को पार्टी के अधिकांश समर्थकों ने अच्छी प्रतिक्रिया नहीं दी है। दिल्ली महिला आयोग की सदस्य वंदना सिंह ने इस तरह के आरोप लगाने के लिए मालीवाल का उपहास करने के लिए पार्टी की आलोचना की। संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित पार्टी समर्थक और पत्रकार विजयलक्ष्मी नादर ने भी मालीवाल के समर्थन में बात की है, साथ ही कांग्रेस और आप के सबसे प्रमुख सहयोगियों – शिवसेना के उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट के नेताओं ने भी मालीवाल के समर्थन में बात की है। लेकिन आप ने दावा किया है कि मालीवाल डीसीडब्ल्यू में उनके द्वारा की गई भर्तियों की जांच पर नरम रुख अपनाने के बदले में भाजपा के साथ साजिश रच रही हैं। गुप्त संधि इस बात पर बहस चल रही है कि क्या बीजेपी मौजूदा लोकसभा चुनाव में केरल में अपना खाता खोलने में कामयाब होगी। भगवा पार्टी ने तिरुवनंतपुरम और त्रिशूर में अभियानों में बड़े पैमाने पर निवेश किया था। अफवाह यह है कि अगर भाजपा एक भी सीट जीतती है, तो इसका कारण मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के साथ एक गुप्त समझौते के कारण भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के वोटों का स्थानांतरण होगा। लेकिन वाम समर्थकों ने ऐसी अफवाहों को खारिज कर दिया है और जोर देकर कहा है कि केवल कांग्रेस ही इस तरह के गुप्त कृत्य करने में सक्षम है। केवल 4 जून ही बताएगा कि भाजपा को राज्य से बाहर रखने के लिए कांग्रेस–वाम समझौता कायम रहेगा या नहीं। मजा खराब करने वाला राजनेताओं के जन्मदिन आम तौर पर उत्सव का विषय होते हैं।

पूर्व प्रधान मंत्री, एचडी देवेगौड़ा ने हमेशा अपना जन्मदिन मंदिर के दर्शन, घर पर अनुष्ठान और अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देकर मनाया है। लेकिन इस साल यह अलग था. जनता दल (सेक्युलर) प्रमुख, जो 18 मई को 91 वर्ष के हो गए, ने अपने बेटे एचडी रेवन्ना और पोते प्रज्वल रेवन्ना पर सेक्स स्कैंडल में शामिल होने के आरोपों के कारण अपनी पारंपरिक मंदिर यात्रा को छोड़कर सभी उत्सव मनाए।

नरेंद्र मोदी विचार मंच के कार्यकर्ताओं ने भाजपा के पक्ष में वोट करने के लिए किया जनसम्पर्क

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नरेंद्र मोदी विचार मंच के तत्वाधान में जिला अध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव की नेतृत्व में आज व्यापक जनसंपर्क किया गया किया गया जिसमें जौनपुर के भाजपा प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह के लिए लोगों से मतदान करने की अपील की गई इसी क्रम में जौनपुर के मियांपुर, जोगियापुर, शेखपुरा आदि ग्राम सभाओं के लोगों से जनसंपर्क किया गया लोगों को पोस्टर और बैनर बांटे गए मोदी जी के कार्यों को बताया गया की किस प्रकार मोदी जी गरीबों के लिए बिना भेदभाव के कार्य करते हैं नरेंद्र मोदी विचार मंच इस बार पूरी तरह से कमर कस चुका है कि जौनपुर के दोनों लोकसभा सीटों पर भाजपा के विजय सुनिश्चित हो सके इसके लिए नरेंद्र मोदी विचार मंच के कार्यकर्ता अपना जी जान लगा रहे हैं लोगों का आभार व्यक्त करते हुए नरेंद्र मोदी विचार मंच के जिला अध्यक्ष संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आप लोगों के कारण ही इतनी तेजी से कार्य कर हो रहा है और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है के दोनों लोकसभा सीटों को भाजपा की झोली में डाला जाएगा। लोगों में नरेंद्र मोदी के विचारों को लेकर बड़े ही उत्सुकता दिखाई दी और लोगों ने संकल्प लिया कि इस बार करके ही रहेंगे।नरेंद्र मोदी विचार मंच के जिलाअध्यक्ष आईटी सेल अभिषेक पांडे ने सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

भाजपा ही वर्तमान है भारतीय भाजपा ही भविष्य है 2024 से 2047 तक भाजपा ही रहेगी - केशव मौर्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लोकसभा क्षेत्र 73 के चंबलतारा में भाजपा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने सोमवार को पहुचे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्षी दलों पर बड़ा हमला बोला

है , उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में एक तरफ गरीबों की भलाई चाहने वाले, महिलाओं का सशक्तीकरण चाहने वाले, देश–दुनिया में भारत की ताकत बढ़ाने वाले पीएम मोदी हैं, तो दूसरी तरफ गुंडे, माफियाओं, भ्रष्टाचारियों के एक गिरोह का इंडिया गठबंधन है । यहीं गिरोह मोदी को प्रधानमंत्री नहीं रहने देना चाहता , गुंडे, माफिया, दलाल और भ्रष्टाचारी इंडिया गठबंधन के साथ खड़े हैं ।

उन्होंने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को निशाने पर लेते हुए कहा कि अखिलेश यादव गाजीपुर मुख्तार अंसारी की कब्र पर फातिहा पढ़ने गए जबकि पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि नही दी , अखिलेश यादव के मसीहा माफिया और अपराधी प्रवृत्ति के लोग हैं , भाजपा सरकार में बिना दलाली और कटौती के सीधे जनता तक योजनाएं शत–प्रतिशत रूप में पहुंच रही हैं । किसान सम्मान निधि के 2 हजार रुपये सीधे डीबीटी के माध्यम से खाते में पहुंच रहे हैं । कांग्रेस के राज में बिचौलियों की वजह से योजनाओं का लाभ महज कुछ लोगों को ही मिल पाता था ।

फिर तीसरी बार मोदी सरकार बनने बनने जा रही है मछली शहर लोकसभा हो चाहे जौनपुर लोकसभा हो सभी लोगों से की अपील दोनों सीटो को जीत कर आपको भेजना है भाजपा ही वर्तमान है भारतीय भाजपा ही भविष्य है 2024 से 2047 तक भाजपा ही रहेगी। 4 जून के को 400 के पार

मोदी जी गरीब मां–बाप के बेटे हैं जब गरीब कोई देश का प्रधानमंत्री बन जाए लोग उनको हटाने के लिए लग गए। केशव प्रसाद मौर्य ने केंद्र प्रदेश सरकार की तमाम योजनाओं को जनता के सामने रखा।4 जून के बाद जैसे राशन मिल रहा है आगे भी इसी तरह राशन मिलता रहेगा मोदी जी को अभी तो 10 साल देखा है अभी तो ट्रेलर है पिक्चर अभी बाकी है राहुल गांधी के पिता ने संसद में कहा था कि मैं माफियाओं की अच्छी सी दवाई होगी आप चिंता मत करना गुंडागर्दी नहीं रहेगा उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी 80 की 80 सीटे जीत रही है ।आप कृपा शंकर को जीतेंगे तभी मोदी को सरकार बनेगी सरकार एक चाय बेचने वाल को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहा है। सपा पर निशाना चाहते हुए कहा कि आपकी साइकिल को 2017 में पंचर कर चुका हूं सपा की साइकिल पुर्जा पुर्जा खोलकर उसको पैक कर सैफई में पार्सल कर दो। जैसे मछली बिना पानी के तड़पती है उसी प्रकार सत्ता के बिना सपा बसपा कांग्रेस मछली की तरफ तड़प रही है जब सत्ता में तब कुछ याद नहीं था सपा सरकार में हर सेवकों पर गोलियां चलवाई थी सपा वाले रामलाल का दर्शन करने के लिए निमंत्रण भी ठुकरा दिया समाजवादी पार्टी गुंडों अपराधियों की फैक्ट्री है। सपा के गाड़ी में पार्टी का झंडा और गुंडा बैठे रहते थे। मोदी जी ने सपा वालों की दलाली बंद कर दी नरेंद्र मोदी ने जम्मू कश्मीर से 370 हटाए। उन्होंने कहा सपा पार्टी साप नाथ है बसपा पार्टी नागनाथ है और कांग्रेस पार्टी कालिया नाग है। हिंदुस्तान का सबसे असफल मुख्यमंत्री कोई रहा है तो वह अखिलेश यादव कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र संविधान की हत्यारी पार्टी है।

लखनऊ की गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों ने मतदान किया और जिला प्रशासन को शांतिपूर्ण मतदान के लिए आभार जताया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ में आज मतदान का दिन था आधिकाधिक मतदान करवाने के लिए लखनऊ की गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों ने अपने गुरुद्वारों में मतदान के लिए संगत को प्रेरित किया और शत प्रतिशत मतदान की अपील की।

लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बग्गा ने बताया कि जैसे पूर्व में कहा गया था ऐतिहासिक गुरुद्वारा नाका हिंडोला में मतदाताओं के लिए लंगर की पूरी व्यवस्था थी और बड़ी गिनती में सर्व समाज के लोगों ने मतदान के बाद गुरुद्वारे में आकर लंगर ग्रहण किया। कमेटी के प्रवक्ता सतपाल सिंह मीत ने बताया कि कई गुरुद्वारों के प्रबंधक सज्जन जिसमें गुरुद्वारा आलमबाग के अध्यक्ष सरदार निर्मल सिंह और उनकी कमेटी के पदाधिकारी, गुरुद्वारा सदर के महामंत्री हरपाल सिंह जग्गी तथा नगर की गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों ने मतदान के बाद गुरुद्वारा नाका हिंडोला में आकर लंगर छका। लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महामंत्री हरपाल सिंह जग्गी गुरुद्वारा नाका हिंडोला के महामंत्री हरमिंदर सिंह टीटू गुरुद्वारा आलमबाग के महामंत्री रतपाल सिंह गोल्डी ने लखनऊ के मतदाताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि लखनऊ के मतदाताओं ने लोकतंत्र की जीवनतता को दर्शाते हुए उत्साह के साथ मतदान किया है इसके लिए सब को बधाइयां। इसके साथ ही लखनऊ के जिला प्रशासन और निर्वाचन अधिकारियों को हार्दिक बधाइयां और आभार जिन्होंने मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए मतदान से पहले उत्साह के साथ कैंपेन चलाया और लखनऊ में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराया। जिला प्रशासन और राज्य निर्वाचन आयोग को हार्दिक बधाइयां और शुभकामनाएं।

आजमगढ़ की इंद्रावती की पित्ताशय की पथरी निकाली – डा एस बी तिवारी कल्याणजी

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। कल्याणम सेवा के खाते में एक और उपलब्धि दर्ज हुई। आजमगढ़ जहानागंज क्षेत्र के इंद्रावती देवी जिनकी पित्त की थैली में मल्टीप्ल स्टोन साथ ही साथ गुर्दे की पथरी एवं पेशाब की नली में भी पथरी थी मात्र दो महीने के इलाज में निकल गई। वैसे तो चिकित्सा जगत में यह किवदंती बन चुकी है कि पित्त की थैली की पथरी को सिर्फ और सिर्फ ऑपरेशन से ही सही किया जा सकता है वह भी पित्तासय को पूरी तरह से बाहर निकाल कर। लेकिन आज होम्योपैथिक चिकित्सा के क्षेत्र में एक जाना माना नाम विश्व विख्यात लिम्का बुक रिकॉर्डर एवं 25000 से भी अधिक लोगों की पथरी सिर्फ दवा से निकल चुके हजारों लोगों की डायलिसिस छुड़ाकर उन्हें नया जीवन दे चुके सैकड़ो मरीज जिन्हें मोटर न्यूरॉन डिजीज है उन्हें भी आशा तीत सफलता दिल चुके डॉ एस बी तिवारी जो चिकित्सक के साथ–साथ महान योगी ,कवि, समाजसेवी एवं आध्यात्म में गहरी रुचि रखने वाले चिकित्सक के तौर पर अपनी पहचान बन चुके हैं ।जो बताते हैं कि पित्त की थैली की भी पथरी निकल सकती है बशर्ते की उसका नेचर दवा के अनुकूल हो ।उन्होंने बताया कि हो सकता है की सारी पित्त की थैली की पथरी न निकाली जा सके लेकिन सिर्फ यह कह करके और उसकी पित्त की थैली निकाल देना कि उसके पित्त की थैली में पथरी है उसका स्वभाव चाहे जो भी हो तो यह कहीं ना कहीं मरीज के साथ नाइंसाफी होगी ।आज लाखों लोगों के विश्वास का पर्याय बन चुके देश–विदेश में अपनी सेवा देने वाले और अनेकों सम्मान से सम्मानित डॉक्टर एस बी तिवारी सचमुच में चिकित्सा जगत के लिए एक उभरते सितारे से कम नही है।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने कुरेभार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण

'सुल्तानपुर'। आम आदमी को स्वास्थ्य सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो,सरकारी स्वास्थ योजनाओं का शत–प्रतिशत पालन सुनिश्चित हो,इसकी हकीकत जानने के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.ओम प्रकाश चौधरी ने शनिवार को प्रातः कुरेभार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया,सीएमओ डॉ.चौधरी द्वारा ओआरएस कार्नर,डेंगू वार्ड,कोल्ड रूम आदि की बारीकी से जांच की गई,डाक्टर व कर्मियों की उपस्थिति पंजिका, दवा काउंटर,स्टोर रूम व अस्पताल की साफ–सफाई का भी निरीक्षण किया गया,सीएमओ द्वारा कर्मियों को होने वाली समस्याओं के निष्तारण का निर्देश देते हुए कहा गया, की आम लोगों को समस्त स्वास्थ सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो,इसमें पारदर्शिता और सुचिता बनी रहे,साथ ही उन्होनें सभी कर्मियों को निर्देशित करते हुए कहाकि आदर्श आचार संहिता का उलंघन नही होना चाहिए,आप सभी अपनी जिम्मेदारी सुनिश्चित करे,मरीजों के साथ शालीनता से पेश आए,उनकी सेवा पूरी इमानदारी और जिम्मेदारी से निभाए।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

सुल्तानपुर। अलीगंज बाजार की तरफ आ रहे बाइक सवार युवक को इनोवा कार ने टक्कर मार दी। बाइक और युवक कार में फंसकर करीब 50 मीटर तक घिसटते चले गए। अस्पताल ले जाते वक्त युवक की रास्ते में मौत हो गई।धम्मौर थाना क्षेत्र के बसई का पुरवा निवासी (22) वर्षीय निर्मल विश्वकर्मा पुत्र शिवराम विश्वकर्मा रविवार की सुबह बाइक यूपी 44 ए.के 6890 पर सवार होकर किसी काम से अलीगंज बाजार आ रहा था। बंधुआ कला थाना क्षेत्र के अलीगंज मझना रोड फ्लाईओवर के नीचे पहुंचते ही सर्विस लेन पर लखनऊ की तरफ से आ रही इनोवा कार ने उसे टक्कर मार दी। बाइक और युवक दोनों कार के अगले हिस्से में फंसकर कुछ दूर तक घिसटते चले गए। दुर्घटना के बाद चालक गाड़ी समेत फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल रवाना किया। अस्पताल में डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की सूचना पर परिवारीजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

व्यापारी नेता रोहित अग्रवाल ने अपने भाई इमेजिन ग्रुप के अध्यक्ष अमित अग्रवाल के साथ अपने मत का प्रयोग किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रोहित अग्रवाल प्रदेश अध्यक्ष (व्यापार) राष्ट्रीय लोक दल ने कहा कि आज अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को सशक्त करने का अवसर प्राप्त हुआ। उपचुनाव होने के कारण मुझे डबल इंजन सरकार को शक्ति देने का मौका मिला। लखनऊ पूर्वी विधानसभा के अंतर्गत माउंट फोर्ट इंटर कॉलेज पोलिंग बूथ पर अपने भाई

इमेजिन ग्रुप के अध्यक्ष अमित अग्रवाल जी के साथ अपने मत का प्रयोग किया।

दो दिवसीय जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता–17 व 18 मई 2024 संपन्न हुई

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। दो दिवसीय जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता–17 व 18 मई 2024 जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केंद्र में संपन्न हुई। ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2024 के मुख्य अतिथि ग्रैंड मास्टर डॉ जिमी आर जगतियानी द्वारा भारत में ताइक्वांडो के पिता और संस्थापक (8वें डॉन ब्लैक बेल्ट)जी रहे। प्रतियोगिता में पुमसे इवेंट ब केयोर्गी की प्रतियोगिताएं हुई प्रतियोगिता के समापन पर पुरस्कार वितरण किया गया 20 स्कूलों के 250 बालक बालिकाओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। CMS के बच्चों द्वारा अच्छा प्रदर्शन रहा प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में उपस्थित लोगों में मनोज कुमार शर्मा आदि लोग उपस्थित थे

आरएसएस ने अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के पूर्व मनाया कार्यक्रम

हरदोई(अम्बरीश कुमार सक्सेना) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने नगर के गंगा देवी इंटर कालेज के बच्चों के बीच महारानी अहिल्याबाई होलकर द्वारा समाज में किए गए कार्यों पर एक प्रतियोगिता का आयोजन किया. इस अवसर पर मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह संजीव खरे ने बताया कि महारानी अहिल्याबाई होलकर के बारे में आज का युवा बहुत कम जानता है. असल में देश की शिक्षा वामपंथियों के हाथ में रही. उन्होंने इतिहास अपने विमर्श के हिसाब से लिखीं. वे सभी नाम जो उनके विमर्श के अनुरूप नहीं थे वे या तो हटा दिए गए या फिर उन्हें इतिहास के फुटनोट तक सीमित कर दिया गया. आज की पीढ़ी उनके बारे में जानती भी नही है. इसलिए आज की आवश्यकता है कि हम अपने इतिहास का गहन अध्ययन करें जिससे हम अपने गुमनाम नायकों के बारे में भी जान सकें. उन्होंने आगे बताया कि इंदौर की रानी अहिल्याबाई होलकर ने देश भर में मंदिर बनवाये और मुगलों द्वारा ध्वस्त किए गए मंदिरों का बार बार जीर्णोद्धार करवाया. प्याऊ की वयवस्था की. कलकत्ता से बनारस तक रोड का निर्माण करवाया। उस समय टेक्सटाइल इंडस्ट्री का निर्माण किया, मातृशक्ति के सशक्तिकरण हेतु नारीसेना का गठन किया. मुख्य वक्ता ने छात्रों से आग्रह भी किया की वे सभी इस ग्रीष्म अवकाश में अपने इतिहास का अध्ययन करें. इस अवसर महारानी अहिल्याबाई होलकर के जीवन चरित से सम्बंधित एक परीक्षा का आयोजन किया गया. जिसमें छात्रों ने बड़े उत्साह के में भाग

लिया. इस अवसर पर उपस्थित नगर कार्यवाह विनय पाण्डेय ने बताया कि इस वर्ष ३१ मई को महारानी अहिल्या बाई होलकर की ३००वीं जयंती है इस उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूरे देश में कार्यक्रम करेगा. इस मौके पर जिला महाविद्यालयीन प्रमुख विनय प्रताप सिंह, प्रधानाचार्य डॉक्टर अभिराम, अध्यापक प्रदीप पांडेय और रोहित मिश्रा मौजूद रहे।

सीडीओ की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण समिति, जिला वृक्षारोपण समिति व जिला गंगा समिति की बैठक संपन्न

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहाँपुर' सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 अपराजिता सिंह ने बैठक आयोजित करते हुए जिला पर्यावरण समिति में ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन, प्लास्टिक वेस्ट प्रबन्धन, ई–वेस्ट, ड्रेन एवं सीवरेज प्रणाली, बायो मेडिकल वेस्ट, औद्योगिक प्रदूषण आदि की बिंदुवार समीक्षा करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्वक प्रबन्धन किये जाने हेतु निर्देश दिये।

मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 अपराजिता सिंह ने समिति के समस्त सदस्यों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक नगर निकाय में प्रतिदिन उत्पन्न हो रहे अपशिष्ट का निपटान अधिक से अधिक मात्रा में पुर्नचक्रण के माध्यम से स्थानीय स्तर पर ही करें।

जिला वृक्षारोपण समिति बैठक अन्तर्गत समस्त सम्बन्धित विभागों को वर्ष 2024–25 में कराये जाने वाले वृक्षारोपण की कार्य योजना उपलब्ध कराये ताकि माह जुलाई 2024 में प्रस्तावित वृक्षारोपण हेतु पौध की आपूर्ति ससमय की जा सके। जिला गंगा समिति बैठक अन्तर्गत नदियों के किनारे हो रहे प्रदूषण आदि पर कार्यवाही करने हेतु उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिये साथ ही नमामि गंगे परियोजना से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा–परिचर्चा की। बैठक में नगर आयुक्त डॉ0 विपिन कुमार मिश्रा सहित जनपद के समस्त अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

लोकसंवेदनाओं से सिक्त कलाएं लोकाश्रय से पनपती हैं – आचार्य शिशिर कुमार पांडेय

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कला दीर्घा अंतर्देशीय दृश्य कला पत्रिका एवं कला स्रोत कला वीथिका, अलीगंज, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वत्सल अखिल भारतीय चित्रकला प्रदर्शनी का आज शाम पांच बजे समापन हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि आचार्य शिशिर कुमार पांडेय, कुलपति, जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट थे। मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कलादीर्घा के संपादक डॉ अवधेश मिश्र ने अभिनंदन पत्र, कला दीर्घा पत्रिका, अंग वस्त्र, बाल वृक्ष, वत्सल प्रदर्शनी का कैटलॉग, अपनी कलाकृतियों पर आधारित वार्षिक पंचांग, पहला दस्तावेज पुस्तक और डॉ सपना नीरज द्वारा लिखित अवधेश मिश्र रू सांस्कृतिक संवेदनाओं का चितेरा पुस्तक प्रदान की। आचार्य शिशिर कुमार पांडेय ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर कहा कि खुशी की बात है कि समस्त चित्रों में लोक संवेदनाएं दर्शनीय हैं और लोक की छोटी–छोटी गतिविधियां जो वहां की संस्कृति की आत्मा होती हैं, वह प्रकारांतर से इन चित्रों में दिख रही हैं। कला दीर्घा पत्रिका को देखकर उन्होंने कहा कि आज भले ही यह छोटी घटना हो सकती है लेकिन यह पत्रिका समय के इतिहास को अपने में समेटे हुए है जिसका प्रभाव

दीर्घकालिक रहेगा और समय के गवाक्ष के रूप में यह देखी जाएगी। कला दीर्घा के मंच पर की जा रही गतिविधियां भी मील का पत्थर साबित होंगी। कला के क्षेत्र में डॉ अवधेश मिश्र द्वारा किए जा रहे डॉक्यूमेंटेशन को भी उन्होंने सराहा। डॉ लीना मिश्र ने उषा पत्रिका भेंट कर धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रदर्शनी के समन्वयकद्वय डॉ अनीता वर्मा और सुमित कुमार ने आचार्य पांडेय को प्रदर्शनी का अवलोकन कराया और मातृ दिवस पर आयोजित इस प्रदर्शनी के एक–एक चित्र की थीम को व्याख्यायित किया। दर्शकों के रूप में आयी पायनियर मॉन्टेसरी स्कूल के एल्डिको ब्रांच की प्रधानाचार्य शर्मिला सिंह और प्राथमिक विद्यालय उन्नाव की प्रधानाचार्य मधु अग्रवाल एवं अनेक कला प्रेमियों ने प्रदर्शनी का रसास्वादन किया और कला स्रोत कला वीथिका के निदेशकों से यह अपेक्षा की कि कला संरक्षण के क्षेत्र में दिए गए अपने अवदान की निरंतरता बनाए रखते हुए अच्छी प्रदर्शनियां आयोजित करते रहेंगे। प्रदर्शनी में लगभग सभी प्रतिभागी कलाकार उपस्थित थे और सबने समापन समारोह का इस आशा से आनंद लिया कि शीघ्र ही अपनी नई कलाकृतियों के साथ पुनः यहां उपस्थित होंगे। मुख्य अतिथि आचार्य शिशिर कुमार पांडेय ने प्रस्ताव दिया कि कला दीर्घा के मंच पर चित्रकूट में भी कुछ कार्यक्रम आयोजित किए जाएं जिन पर कला दीर्घा परिवार की ओर से पूर्ण सहमति बनी कि शीघ्र ही विविध गतिविधियों के साथ हम सब उपस्थित होंगे।

चढ़ गया चुनावी रंग, बड़े नेताओं की जनसभा का दौर शुरू

सुल्तानपुर। लोकसभा सीट पर छठे चरण में 25 मई को होने वाले चुनाव का रंग अब धीरे धीरे चढ़ रहा है। बड़े नेताओ की जनसभा से सभी पार्टियां माहौल बनाने में जुट गई है। जातिगत समीकरण को साधते हुए पार्टी के बड़े नेताओ की जनसभाओं का दौर शुरू हो गया है।सभी पार्टी के प्रत्याशी हर हाल में विजय प्राप्त करने की पुरजोर कोशिश में लगे है।

बता दे कि स्थानीय लोकसभा सीट पर भाजपा से पूर्व केंद्रीय मंत्री व वर्तमान सांसद मेनका संजय गांधी 11वी बार मैदान में है। आठ बार जीतकर लोकसभा पहुंचने वाली वरिष्ठ सांसद नौवीं बार लोकसभा पहुंचने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है। अन्य पार्टियों द्वारा जातिगत कार्ड खेल कर मत हथियाने को विफल करने के लिए भाजपा की दो बार जिले में मछुआ समुदाय से आने वाले कैबिनेट मंत्री संजय निषाद की सभा करा चुकी है।वही क्षत्रिय समाज के मतों को मजबूत करने के लिए सोमवार को सदर विधानसभा के सेमरी में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की भी जनसभा आयोजित है।22 मई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कादीपुर विधानसभा में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे।चुनाव प्रचार के अंतिम दिन पूर्व सांसद व फायर ब्रांड नेता वरुण गांधी की पांचों विधानसभा में जनसभा करने की चर्चा जोरों पर है।हर हाल में भाजपा 1998 के चुनाव को दोहराने के लिए प्रयास कर रही है जिसने डीबी राय दोबारा लोकसभा सीट से जीतकर लोकसभा गए थे।

वही मुख्य विपक्षी दल इंडिया गठबंधन के सपा प्रत्याशी राम भुआल निषाद के चुनाव की बात करे तो उनका चुनाव मिस मैनेजमेंट की भेट चढ़ रहा है।पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव दो दिन पहले विशाल जनसभा को संबोधित कर केंद्र व राज्य सरकार पर हमला बोलकर चुनाव की जमीन तैयार कर गए है।

उन्होंने पार्टी के पदाधिकारियों,इसौली विधायक मो ताहिर खान,पूर्व विधायक संतोष पांडेय,अनूप सांडा, भगेलू राम,अरुण वर्मा, सफदर रजा व पूर्व घोषित प्रत्याशी भीम निषाद को पार्टी प्रत्याशी को चुनाव जिताकर लोकसभा भेजने का निर्देश दे गए है।राम भुआल निषाद लगातार लोकसभा व विधानसभा चुनाव में अलग अलग लोकसभा व विधानसभा से ताल ठोक रहे है लेकिन सफलता नहीं पा रहे है।इस बार सुल्तानपुर लोकसभा सीट से निषाद बिरादरी के मतों के साथ पार्टी के परंपरा गत मतों के सहारे जीत का दंभ भर रहे है।

तीसरे मुख्य विपक्षी दल बसपा ने जिला पंचायत सदस्य उदराज वर्मा को चुनाव मैदान में उतारा है।बसपा प्रत्याशी कैडर व बिरादरी मतों के सहारे जीत की कोशिश में लगे है।बसपा मुखिया मायावती की 23 मई को जिले के मोतीगंज में विशाल जनसभा प्रस्तावित है।पार्टी मुखिया की जनसभा से कैडर मतों को साधने की पुरजोर कोशिश में उदराज वर्मा लगे है।

कुल मिलाकर लोकसभा चुनाव में विजय श्री प्राप्त करने के लिए राजनितिक पार्टियां एड़ी चोटी का जोर लगा रही है लेकिन मतदाता शांत मुद्रा में रहकर मतदान करने की नियत में है। जनसभाओं में भीड़ तो दिखाई दे रही है लेकिन भीड़ से मतदाता के मूड का अंदाज लगाना कठिन है।

जमानत पर बाहर आए भाई ने बहन की गोली मारकर की हत्या

बागपत, संवाददाता। बागपत जनपद के मुगलपुरा मोहल्ले में जेल से जमानत पर बाहर आए युवक ने बहन की गोली मार कर हत्या कर डाली। दिन दहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। वारदात को अंजाम देकर युवक तमंचा नाली में फेंककर कोतवाली पहुंच गया और अपना जुर्म कबूल कर लिया। बताया गया कि युवक की बहन शादी के बाद से अपने मायके में ही रह रही थी। बहन के ससुराल न जाने से आरोपी सादिक क्षुब्ध था। दो वर्ष पहले उसकी बहन की शादी हुई थी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। वहीं परिजनों में बेटी की मौत से कोहराम मचा हुआ है। बताया गया कि मृतका रीना रविवार को अपनी बहन आसफा के घर आई हुई थी। यहां आसफा के कमरे में सादिक भी रीना साथ मौजूद था। जैसे ही मृतका की बहन आसफा रसोई मे खाना बनाने के लिए गई तभी आरोपी ने आसफा के कमरे में अपनी बहन रीना के सीने मे गोली मारकर उसे मौत के घाट उतार दिया।

मस्जिद में मिली युवती की लाश

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में ताजमहल के पास सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया। यहां स्थित मस्जिद परिसर में रविवार को 22 वर्षीय युवती की फफशर से कुचलकर हत्या कर दी गई। दोपहर के समय जब नमाज के लिए लोग पहुंचे तो युवती की लाश देख पसीने छूट गए। युवती के कपड़े फटे हुए थे। आशंका व्यक्त की जा रही है कि दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद जांच शुरू कर दी है। मृतका की अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। ताजमहल के पूर्वी गेट के पास लकड़हारा वाली अहमद बुखारी मस्जिद है। बताया गया है कि दोपहर करीब पौने तीन बजे नमाज को पहुंचे लोगों ने परिसर में युवती का अर्ध नग्न शव देखा। युवती का चेहरा भारी वस्तु से प्रहार कर कुचला गया। उसके कपड़े फटे हुए थे। इस वजह से दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका व्यक्त की जा रही है। युवती की पहचान नहीं हो सकी है। जानकारी होने पर एसीपी सदर पीयूष कांत राय मौके पर पहुंच गए। पुलिस के अनुसार हत्यारा युवती का परिचित रहा होगा, उसे यहां पर लाकर दुष्कर्म के बाद पकड़े जाने के डर से उसकी हत्या कर दी। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी के फुटेज से हत्यारे का सुराग लगाने का प्रयास कर रही है। युवती सफेद सलवार और चेकदार कमीज पहने हुए है। डीसीपी सिटी सूरज राय का कहना है की युवती की पहचान के प्रयास किया जा रहे हैं। हत्या किसने और क्यों की, इसका पता करने के लिए टीमों को लगाया गया है।

संक्षिप्त खबरें

प्रेमी युगल ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

कानपुर, संवाददाता। कानपुर देहात में कानपुर–झांसी रेलवे लाइन पर बहबलपुर क्रासिंग के पास रविवार सुबह 10 बजे के करीब प्रेमी युगल ने ट्रेन के आगे कूद कर आत्महत्या कर ली। सूचना पर सीओ तनु उपाध्याय गजनेर पुलिस के साथ पहुंची। पुलिस ने पदोनों की शिनाख्त मोहित पांडेय (18) पुत्र पांडेय निवासी काटर थाना घाटमपुर कानपुर नगर व युवती की शिनाख्त मुस्कान सविता(18) निवासी लेबामऊ थाना मूसानगर के रूप में की है। परिजनों के आने के बाद पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवक ने घर में फंदा लगाकर दे दी जान

उन्नाव, संवाददाता। युवक ने घर के अंदर फंदा लगाकर जान दे दी। भतीजी कमरे में पंखा लगाने गई तो उसने उसे फंदे से लटका देखा। तब परिजनों को जानकारी हुई। गिरवां थाना क्षेत्र के प्रीतम पुर जरर गांव निवासी श्रीपाल (22) ने शुक्रवार की रात रस्सी से कमरे के अंदर छप्पर की धन्नी से फंदा लगा लिया। कुछ देर बाद उसकी भतीजी बिट्टो पंखा लगाने कमरे में गई तो उसने उसे फंदे से लटका देखा। पड़ोसी नरेंद्र गुप्ता ने बताया कि श्रीपाल के माता–पिता का निधन हो चुका है। वह तीन भाइयों सबसे छोटा और अविवाहित था। घर में रहकर खेती–किसानी करता था। उसके हिस्से में पांच बीघा जमीन है। घटना के समय मझले नंबर का भाई फैसालीदीन अपनी मौसी के घर गया था। उसने ऐसा आत्मघाती कदम उठाया वह नहीं बता सकता। गिरवां थाना इंस्पेक्टर राकेश तिवारी ने बताया कि परिजन कोई ठोस वजह नहीं बता सके हैं। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

दुकानदार को दिनदहाड़े मारी गोली

आगरा, संवाददाता। आगरा के ताजगंज के नगला मेवाती में चौथ नहीं देने पर कपड़ा व्यवसायी आमीन को गोली मारकर भागा हिस्ट्रीशीटर शाहरुख पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका है। छह साल पहले उसने एक सिपाही को गोली मारकर घायल किया था। अब पुलिस उस पर इनाम घोषित करने की तैयारी में है। शुक्रवार की शाम को नगला मेवाती निवासी आमीन के पैर में गोली लगी थी। हिस्ट्रीशीटर ने दुकान में तमंचे से फायर किया था। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। फुटेज वायरल हो रहा है। एक माह पहले भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। इंस्पेक्टर ताजगंज ने बताया कि हिस्ट्रीशीटर शाहरुख की तलाश में पुलिस उसके कई रिश्तेदारों के घर दबिश दे चुकी है। छानबीन में पता चला कि 14 सितंबर 2018 को नगला मेवाती में नावेद नामक सिपाही को गोली मारी गई थी।

पकड़ी गई अवैध शस्त्र फैक्ट्री, एक गिरफ्तार

बांदा, संवाददाता। कमासिन पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने शस्त्र फैक्टरी पकड़ी है। टीम ने बने और अधबने तमंचे, कारतूस और शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। पकड़ा गया आरोपी पहले भी अवैध शस्त्र रखने में दो बार जेल जा चुका है। थाना कमासिन और एसओजी पुलिस ने शुक्रवार की रात बाबूपुरवा में दबिश देकर रामदीन उर्फ पप्पू के घर चल रही अवैध शस्त्र फैक्टरी पकड़ी। इसमें सात तमंचा 315 बोर, एक अर्धनिर्मित तमंचा 12 बोर व कारतूस के साथ असलहे बनाने के उपकरण बरामद किए गए हैं। गिरफ्तारी टीम में कमासिन इंस्पेक्टर ऋषिदेव सिंह, प्रभारी एसओजी अनिल कुमार साहू आदि मौजूद रहे।

गंगनहर में नहाते समय युवक की डूबने से मौत

सहारनपुर, संवाददाता। क्षेत्र के कुंआखेड़ा संगम स्थल पर गंगनहर में नहाते समय युवक की डूबकर मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने शव को पानी से निकालकर पुलिस को सूचना दी। गांव कुंआखेड़ा निवासी सुनील कुमार सैनी 28 पुत्र इलमचन्द शनिवार दोपहर खेतों में काम करने के बाद गंग नहर में नहाने चला गया। नहाते समय अचानक से सुनील नहर में डूबने लगा। सुनील की चीख–पुकार सुनकर खेतों में काम कर रहे अन्य ग्रामीणों ने किसी तरह उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी। बताया जाता है कि मृतक युवक का पत्नी के साथ लगभग डेढ़ साल से विवाद चल रहा है, जिसके कारण युवक मानसिक तनाव में रहता था, मृतक युवक के एक पुत्र है।

सिपाही की पत्नी की दूसरी मंजिल से गिरकर मौत हुई

मेरठ, संवाददाता। मवाना नगर की अशोक विहार कालोनी में किराए के मकान में रह रहे सीओ पेशी में तैनात सिपाही की पत्नी रविवार सुबह 4 बजे के आसपास मकान की छत से गिर गई। गंभीर हालत में लगभग सुबह साढ़े चार बजे सीएचसी लाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर सीओ सौरभ सिंह व थाना प्रभारी समेत स्टाफ सीएचसी पहुंच गया। फोरेंसिक टीम ने सीएचसी व आवास पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।

गैस सिलेंडर लदे ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, दंपती को रौंदा...दोनों की मौत हो गई

हरदोई, संवाददाता। हरदोई जिले में मौलागंज बस स्टैंड पर दोपहर लगभग डेढ़ बजे गैस सिलेंडर लदे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दंपती को रौंद डाला। पत्नी की मौके पर मौत हो गई, जबकि पति ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में ले लिया है। मृतक लखीमपुर जनपद के थाना मोहम्मदी क्षेत्र के बताए गए हैं। लखीमपुर जनपद के मोहम्मदी थाना क्षेत्र के रंदौली गांव निवासी राजेंद्र प्रसाद (55) पुत्र बनवारी लाल अपनी पत्नी रामवती (50) को लेकर बाइक से अपने रिश्तेदारी में कहीं जा रहे थे। वह जैसे ही मौलागंज बस स्टैंड पर अवध रेस्टोरेंट के सामने पहुंचे। तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार गैस सिलेंडर लदे ट्रक ने उन्हें रौंद डाला। इससे रामवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि राजेंद्र प्रसाद गंभीर रूप से जख्मी हो गए। कोतवाली पुलिस ने 108 एम्बुलेंस से घायल राजेंद्र को सीएचसी पहुंचाया, जहां राजेंद्र ने दम तोड़ दिया। मृतक के परिजनों को सूचना दी गई है। पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में ले लिया है।

भीषण गर्मी में बिजली–पानी की किल्लत से जूझ रहे लोग

शामली, संवाददाता। भीषण गर्मी में लोगों को बिजली व पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। कहीं बिजली की लाइनों में फाल्ट आ रहा है तो कहीं पर लाइन के तार बदलने का काम चल रहा है। कहीं लो वोल्टेज की समस्या बनी है तो कहीं पर रात और दिन में कई–कई घंटे लगातार बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। इसे लेकर लोगों का गर्मी में बुरा हाल बना है। उधर, लोगों को पेयजल की किल्लत से भी जूझना पड़ रहा है। कहीं पाइप लाइन फट रही है तो कहीं पर नलकूपों की विद्युत मोटर फुंकने से लोग पानी की बूंद–बूंद को तरसने को मजबूर है। जिले में तापमान बढ़ता जा रहा है और लोग बिजली–पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। गर्मी में लोगों को बिजली और पानी की जरूरत सबसे ज्यादा जरूरत होती है, लेकिन विद्युत निगम बिजली आपूर्ति देने और नगरपालिका पेयजल आपूर्ति करने में पूरी तरह से सफल नहीं हो पा रहा है। मोहल्ला काकानगर में ओवरहैड टैंक की बिजली की मोटर दो दिन से फुंकी हुई है। इस कारण काकानगर, गगन विहार, साकेत कॉलोनी समेत कई मोहल्लों में पानी की समस्या बनी हुई है। सहारनपुर रोड पर स्थित कांशीराम आवासीय कॉलोनी के लोग एक सप्ताह से अधिक समय से पानी के संकट से जूझ रहे हैं। कॉलोनी निवासी वासु, सुमित, शुभम, गौरव, टीटू व दीपक आदि ने बताया कि कॉलोनी में पानी नहीं आ रहा है। जो पानी आता है, वह बूंद–बूंद आता है, जिस कारण पानी का संकट बना हुआ है। दो दिन पहले शाम को पंजाबी कॉलोनी में पेयजल पाइप लाइन फटने से कई मोहल्लों को पानी की समस्या से जूझना पड़ा। शुक्रवार शाम तक पाइप लाइन की मरम्मत का कार्य पूरा हो सका। इसके अलावा मोहल्ला सीताराम कॉलोनी, जाट कॉलोनी, डीके कॉलोनी, पंसारियान व कलंदरशाह में लोग दूषित पेयजल की समस्या से परेशान है। टंकी से निकलने वाला पानी कुछ समय बाद ही पीला व काला पड़ जाता है। मोहल्ले के सुनील, ओमपाल, नवीन नामदेव ने बताया कि कई दिन से पालिका की तरफ से जो पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। वह कुछ समय बाद ही काला पड़ जाता है, जो पीने योग्य नहीं होता। शहर में बिजली आपूर्ति का हाल भी बेहाल है। मोहल्ला गगन विहार के लोग लो वोल्टेज की समस्या से परेशान है। जैन मोहल्ला में रात को करीब चार घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रही। नौकुआं रोड, बरखंडी, कबाड़ी बाजार आदि में भी बिजली की ट्रिप से लोग परेशान रहे। लोगों का कहना है कि छह से सात घंटे की विद्युत कटौती हो रही है, जिससे गर्मी में रहना मुश्किल हो रहा है। इसके अलावा शहर में बिजली की लाइन के तार बदलने का काम चल रहा है।

जिला अस्पताल में चिकित्सक नदारद, मरीज करते रहे इंतजार

शामली, संवाददाता। जिला अस्पताल में सुबह दस बजे तक ओपीडी में ज्यादातर चिकित्सक नहीं पहुंचे। ओपीडी में चिकित्सक नहीं होने से मरीज चिकित्सकों के इंतजार में लाइन में लगे रहे। चिकित्सक न मिलने से मरीज परेशान रहे। जिला अस्पताल की सीएमएस डॉ. अंजू जोधा चार दिन के अवकाश पर गई हुई है। गर्मी के मौसम में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। शनिवार को जिला अस्पताल में करीब 1200 मरीज उपचार के लिए पहुंचे। मरीज सुबह आठ बजे से पहले ही पहुंचने शुरू हो गए थे। सुबह दस बजे तक मरीजों की ओपीडी में भीड़ लग चुकी थी, लेकिन ओपीडी में दो चिकित्सक को छोड़कर अन्य चिकित्सक नदारद रहे। जबकि जिला अस्पताल में 19 चिकित्सकों की तैनाती है। चिकित्सक न होने के कारण मरीज चिकित्सकों की इंतजार में लाइन में लगे रहे तो कुछ कुर्सियों व बेंच पर बैठे थे। दस बजे के बाद ही चिकित्सक पहुंचने शुरू हुए। इसके बाद ओपीडी में मरीजों को इलाज मिल सका। जिला अस्पताल की सीएमएस डॉ. अंजू जोधा शनिवार से चार दिन के लिए 21 मई तक अवकाश पर गई है। उनके बाद सीएमएस का प्रभार वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. अशोक कुमार के पास है। डॉ. अशोक कुमार शुक्रवार को अवकाश लेकर जरूरी काम से लखनऊ गए थे। ट्रेन लेट होने के कारण शनिवार को वे करीब 11 बजे पहुंचे। उन्होंने रास्ते में ही फोन से अन्य चिकित्सकों को ओपीडी में मरीजों की जांच करने के लिए कहा।

प्रभारी सीएमएस ने कहा कि चिकित्सकों के ओपीडी में देर से पहुंचने की उन्हें जानकारी नहीं मिली। अगर ऐसा हुआ है तो वह इसकी जानकारी करेंगे।

बोले मरीज

गांव गोगवान निवासी इस्लाम ने बताया कि वह सुबह साढ़े आठ बजे अस्पताल आ गया था। डेढ़ घंटा हो गया कोई चिकित्सक नहीं आया। उसे सांस लेने में दिक्कत है।

गांव कंडेला निवासी ओमपाल ने बताया उसे काफी समय से खांसी है। गर्मी से बचने के लिए वह सुबह आठ बजे अस्पताल आ गया था, पर दो घंटे हो गए, डाक्टर नहीं आया। कस्बा कैराना निवासी इसरत ने बताया उसे पेट में दर्द की समस्या है। वह सुबह आठ बजे आ गई थी। तब से लाइन में खड़ी है, लेकिन डाक्टर नहीं आए।

महिला ने दो बच्चों को जहर देकर लगाई फांसी

उन्नाव, संवाददाता। उन्नाव जिले में पति की मौत के बाद ससुरालियों की प्रताड़ना से परेशान होकर शनिवार देर शाम महिला ने अपने दो बच्चों को जहर देने के बाद खुद फंदा लगाकर जान दे दी। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंचे मृतका के पिता दोनों बच्चों को कानपुर हैलट ले गए, जहां डॉक्टर ने छोटे बेटे को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बड़े बच्चे का अभी इलाज चल रहा है। बेटी और नाती की मौत से बेहाल पिता ने पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने जांच की। मृतका के पिता की तहरीर पर तीन जेठ व जेठानी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। सदर कोतवाली के पटकापुर गांव निवासी स्व. संतकुमार की पत्नी सोमवती (35) ने ससुरालियों की प्रताड़ना से आजिज आकर अपने दो बेटे अंश (12) और सुधीर (9) को 18 मई की शाम करीब छह बजे दोनों बच्चों को जहर देने के बाद खुद साड़ी के फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली।

बच्चों के मुंह से निकल रहा था झाग

पड़ोसियों की सूचना पर सोमवती के पिता बिहार थानाक्षेत्र के चिकंदरपुर निवासी शिवशंकर परिजनों के साथ उसके घर पहुंचे। दोनों बच्चों के मुंह से झाग निकलता देख, उन्हें पहले कानपुर हैलट ले गए। डॉक्टर ने सुधीर को मृत घोषित कर दिया, जबकि अंश का इलाज अभी चल रहा है।

पति की बीमारी हो चुकी है मौत

घटना की सूचना पर सदर कोतवाली पुलिस मृतका के घर पहुंची और जांच की। फंदे पर लटके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका के पिता शिवशंकर ने बताया कि 13 साल पहले बेटी का विवाह किया था। 20 फरवरी 2024 को दामाद संतकुमार की बीमारी से मौत हो गई थी। दामाद की मौत के बाद बेटी सोमवती के जेठ कमलेश, प्रकाश, बालकराम और बालकराम की पत्नी मधु प्रताड़ित करने लगे।

तीन जेठ और जेठानी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

उसके पति के द्वारा खरीदी गई तीन भैंस, जिससे वह दूध का काम करते थे। उन्हें भी अपने कब्जे में ले लिया। बेटी का घर से निकलना भी दुश्वार कर दिया। इससे वह एक–एक रुपये के लिए मोहताज हो गई। इससे परेशान होकर बेटी ने यह कदम उठा लिया। मृतका के पिता की तहरीर पर पुलिस ने तीन जेठ और जेठानी के खिलाफ प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की है।

पारा 46.9 डिग्री, भीषण गर्मी से बढ़ रहे मरीज

कानपुर, संवाददाता। गर्मी से शनिवार को प्रदेश में सबसे अधिक कानपुर तपा। राजस्थान के थार मरुस्थल से होकर आईं पश्चिमी हवाओं ने तपिश बढ़ा दी। एयरफोर्स सबस्टेशन क्षेत्र में पारा उछलकर 46.9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। 29 साल बाद 18 मई को इतनी गर्मी रही। इसके पहले वर्ष 1995 में पारा 45.4 डिग्री सेल्सियस पहुंचा था। वहीं सीएसए की मौसम वैधशाला में अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री रिकार्ड किया गया। भीषण गर्मी में दोपहर को स्कूलों से घरों के लिए निकले नौनिहाल झुलस गए। कई स्कूलों में तो 20 मई से गर्मी की छुट्टी हो गई है, लेकिन कई अभी भी खुले हैं। सीएसए के मौसम विभाग प्रभारी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि दिन और रात दोनों के तापमान में सामान्य औसत से 4.4 डिग्री बढ़ोतरी हुई है। गर्मी अभी इसी तरह बनी रहेगी। तापमान एक से दो डिग्री सेल्सियस अभी और बढ़ सकता है। उन्होंने बताया कि सीएसए में ग्रीन बेल्ट होने की वजह से यहां के और एयरफोर्स के तापमान में दो से तीन डिग्री का फर्क रहता है।

राजस्थान की रेत की तपिश से गर्म हो जाती हैं हवाएं

डॉ. पांडेय का कहना है कि उत्तर–पश्चिमी हवाओं से तपिश बढ़ी है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से हवाएं नमी लेकर चलती हैं। जब ये राजस्थान के थार मरुस्थल पहुंचती हैं, तो रेत की तपिश से गर्म हो जाती हैं। जब ये हवाएं इधर आती हैं, तो अपने साथ गर्मी लेकर आती हैं और तापमान बढ़ जाता है। डॉ. पांडेय का कहना है कि अगर हवाओं का रुख बदला और बादल आए तो माहौल में बदलाव आ सकता है।

मम्मी अब स्कूल नहीं जाएंगे, बहुत गर्मी है

मम्मी, अब स्कूल नहीं जाएंगे। प्लीज, आप पापा से बोल देना। मेरे कई दोस्त भी नहीं आ रहे हैं। उनकी तबीयत धूप लगने से खराब हो गई है। मेरे भी सिर में तेज दर्द हो रहा है। आज स्कूल से आते समय चौराहे के पास जाम लग गया था। एक तो गर्मी ऊपर से वैन में जी मिचलाने लगा था। ये कष्ट शनिवार को केशवपुरम निवासी शुभम ने अपनी मां के सामने बयां किए। शुभम ही नहीं उसके जैसे हजारों बच्चे हैं जो भीषण गर्मी के बीच स्कूल से आए। मई के तीसरे सप्ताह में ही मौसम के ऐसे तेवर देखकर माता–पिता भी छुट्टी कराने के पक्ष में हैं।

गर्मी से बढ़ गए बेहोशी और डायरिया के मरीज

वेट बल्ब में माहौल में नमी की वजह से उमस बढ़ जाती है। यह गर्मी अधिक तकलीफ देती है और सेहत के लिए नुकसानदेह भी होती है। तपिश ने लोगों का बुरा हाल कर दिया। गर्मी ने हीट एग्जाशन (बेहोशी), डायरिया, गैस्ट्रोइंटाइटिस, इलेक्ट्रोलाइट इम्बैलेंस, वायरल संक्रमण के रोगी बढ़ा दिए हैं।

पान मसाला कारोबारी के यहां एसआईबी का छापा

सहारनपुर, संवाददाता। राज्यकर विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा की टीम ने मुहल्ला झोटेवाला स्थित एक पान मसाला एवं बीड़ी कारोबारी के यहां छापा मारा। सर्वे के दौरान स्टॉक में गड़बड़ी मिली है। देर रात तक जांच जारी थी। राज्यकर विभाग के अपर आयुक्त श्रेणी–1 सत्यपाल सिंह ने बताया कि अपर आयुक्त श्रेणी–2 विजयानंद पांडेय के आदेश पर राज्यकर विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा की टीम ने एक पान मसाला और बीड़ी कारोबारी की फर्म पर छापा मारा। उन्होंने बताया कि फर्म द्वारा नकद रूप में काफी कम कर जमा किया जा रहा था। जबकि फर्म द्वारा नकद बिक्री बड़े पैमाने पर की जा रही थी। इन्हीं विसंगतियों को संज्ञान में लेते हुए फर्म की जांच की गई। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि फर्म द्वारा प्रपत्रों के अनुसार बिक्री नहीं की जा रही है। फर्म के स्टॉक में भी जांच के समय बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां पाई गई हैं। प्रपत्रों में दर्ज कुछ माल मौके पर नहीं पाया गया, जबकि कुछ माल प्रपत्रों से अधिक एवं अघोषित स्थल पर भी पाया गया। अभी विस्तृत जांच की जा रही है। सही स्थिति जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। संयुक्त आयुक्त प्रशांत कुमार, उप आयुक्त विशेष अनुसंधान शाखा पीपी सिंह आदि मौजूद रहे।

रनिंग ट्रैक को दुरुस्त करने के लिए बिछेगी सिंथेटिक की नई लेयर

सहारनपुर, संवाददाता। डॉ. भीमराव आंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में बने रनिंग ट्रैक को दुरुस्त करने के लिए सिंथेटिक की एक नई लेयर बिछाई जाएगी। ट्रैक की गुणवत्ता पर लगातार उठ रहे सवाल तथा खेल अधिकारी द्वारा कार्यदायी संस्था को लगातार शिकायती पत्र भेजने के बाद संस्था ट्रैक को दुरुस्त करने को राजी हुई है। संभवतरू इसी माह कार्य शुरू होगा।

खेलो इंडिया योजना के तहत स्टेडियम में सात करोड़ रुपये की लागत से सिंथेटिक रनिंग ट्रैक बनाया गया है। ट्रैक के बनने के बाद से ही इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठते रहे हैं। जगह जगह से दरारें आने तथा सिंथेटिक उखड़ने को लेकर पुराने और मौजूदा खिलाड़ी हंगामा तक कर चुके हैं। ट्रैक में आ रही खामियों और खिलाड़ियों की शिकायत के बाद खेल अधिकारी अनिमेष सक्सेना लगातार कार्यदायी संस्था को पत्र लिख रहे हैं। जिसके बाद कार्यदायी संस्था ने ट्रैक को दुरुस्त करने के लिए पूरे ट्रैक पर सिंथेटिक की एक नई लेयर बिछाने का निर्णय लिया है। इसे लेकर खेल अधिकारी और खिलाड़ी उत्साहित हैं।

ट्रैक पर चढ़ा दिया मिट्टी से भरा ट्रक

स्टेडियम के एक कोने में क्रिकेट के प्रशिक्षण के लिए पिच बनी हैं। उक्त क्षेत्र में गहराई होने की वजह से खेल विभाग ने मिट्टी डलवाई है, लेकिन चालक मिट्टी से लदे ट्रक को बचाते हुए पिच तक ले जा रहा था, लेकिन ट्रक की एक साइड के पहिये ट्रैक पर चढ़ने से ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गया है। इसे लेकर खिलाड़ियों में रोष है। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से भी इसकी शिकायत की है। मिट्टी के ट्रक से ट्रैक को थोड़ा नुकसान पहुंचा है, जिसे ठीक कराया जा रहा है।

बाइक सवार दोस्तों को स्कार्पियो ने मारी टक्कर, दोनों की मौत...चालक फरार

फतेहपुर, संवाददाता। फतेहपुर जिले के बिंदकी कोतवाली क्षेत्र में बाइक सवार युवकों को तेज रफ्तार स्कार्पियो ने टक्कर मार दिया। दोनों को सीएचसी लाया गया, जहां एक युवक को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर घायल दूसरे युवक को फतेहपुर भेजा गया। हालत गंभीर होने पर परिजन उसे कानपुर ले गए, जहां दूसरे युवक के भी मौत हो गई। दुर्घटना के बाद स्कार्पियो सवार मौके से फरार हो गया। उसका भागते हुए वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कोतवाली के सेलावन गांव निवासी शुभम उत्तम (21) अपने दोस्त सार्थक उत्तम (22) निवासी हरी खेड़ा के साथ बाइक से सेलावन गांव की ओर से हरी खेड़ा गांव की तरफ जा रहे थे। तभी हरी खेड़ा गांव के पास तिराहे पर तेज रफ्तार स्कार्पियो ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। खून से लथपथ अवस्था में दोनों युवकों को सीएचसी लाया गया, जहां शुभम को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर घायल सार्थक उत्तम को फतेहपुर रेफर कर दिया गया। हालत अधिक खराब होने के कारण परिजन सार्थक को फतेहपुर से कानपुर ले गए।

हादसे ने परिजनों को झकझोर दिया

यहां इलाज के दौरान सार्थक की भी मौत हो गई। दोनों युवकों की मौत पर गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

दोनों युवक घनिष्ठ मित्र थे। मृतक सार्थक के पिता राकेश उत्तम और माता प्रेमा देवी की भी लगभग छह वर्ष पूर्व सड़क हादसे में ही मौत हो चुकी थी। इसके बाद सार्थक की मौत ने परिवार को झकझोर कर रख दिया। सार्थक का एक बड़ा भाई शुभम उत्तम है। तीन बहनें अंशु, सोनी और मोनी है। अंशु और सोनी की शादी हो चुकी है। वहीं दूसरे मृतक शुभम का बड़ा भाई सत्यम उत्तम है। पिता कृष्ण कुमार उत्तम है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वत्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।